अगस्त 2026

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

युवाओं की ललकार
झुकी भाजपा सरकार

R.N.I. No. 68832/97

समाजवादी पार्टी कभी भी बूढ़ी नहीं होगी क्योंकि पार्टी में युवाओं की बड़ी संख्या है और नई उम्र के युवा लगातार समाजवादी पार्टी से जुड़ भी रहे हैं। युवा ही देश का भविष्य और समाजवादी पार्टी की ताकत हैं। जिस देश-प्रदेश का युवा खुश है तो समझ लेना चाहिए कि वहां खुशहाली है। युवाओं की ताकत और एकता को कम आंकने वाले भ्रम में रहते हैं। जब-जब युवा सड़क पर उतरा है सरकार को झुकना पड़ा है।

मुलायम सिंह यादव

संस्थापक, समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन

अगस्त 2026

वर्ष 27 | संख्या 10

PDA काव्य विचार

जब-जब चली साइकिल,
बदला उत्तर प्रदेश का हाल,
एक्सप्रेसवे,मेट्रो ने रचा
विकास का नया कमाल।
लैपटॉप से युवाओं को मिली
सपनों की नई उड़ान,
गरीब, किसान और नौजवान
का बढ़ा हर अरमान॥

निखिल गुप्ता
आदमपुर बिहारगंज, प्रतापगढ़

प्रिय पाठकों,

PDA काव्य विचार के लिए आपकी स्वरचित लघु कविता का स्वागत है। केवल उन्हीं लघु कविताओं पर विचार किया जाएगा जो PDA केन्द्रित, सुस्पष्ट, मौलिक, न्यूनतम 4 से 6 लाइनों में टाइपशुदा होंगी। अपनी लघु कविता ईमेल teamsbeditorial@gmail.com पर अपने नाम और पते के साथ भेजें।

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक

प्रोफेसर रामगोपाल यादव

☎ 0522 - 2235454

samajwadibulletin19@gmail.com

bulletinsamajwadi@gmail.com

Mob:- 9598909095

/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए

19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित

अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

स्वतंत्रता दिवस पर संविधान की रक्षा का संकल्प 46

10 कवर स्टोरी

युवाओं की ललकार झुकी भाजपा सरकार

चंदा चोरी: सपा सांसदों का जोरदार प्रदर्शन 06

अयोध्या श्रीराम मंदिर में चंदा चोरी के विरोध में समाजवादी पार्टी के सांसदों ने मानसून सत्र के दौरान संसद भवन के मकर द्वार पर प्रत्येक दिन प्रदर्शन किया और भाजपा सरकार को जमकर घेरा। सपा सांसदों ने विरोध के लिए बहुत अभिनव तरीका अपनाया। इसके अंतर्गत सपा सांसदों ने सांकेतिक 'दानपात्र' के साथ जोरदार प्रदर्शन किया और दान इकट्ठा किया।

जौहर विवि को बचाने में जुटे अखिलेश 42

अखिलेश ने युवाओं का हौसला बढ़ाया, मेधावियों को दिया लैपटॉप 34

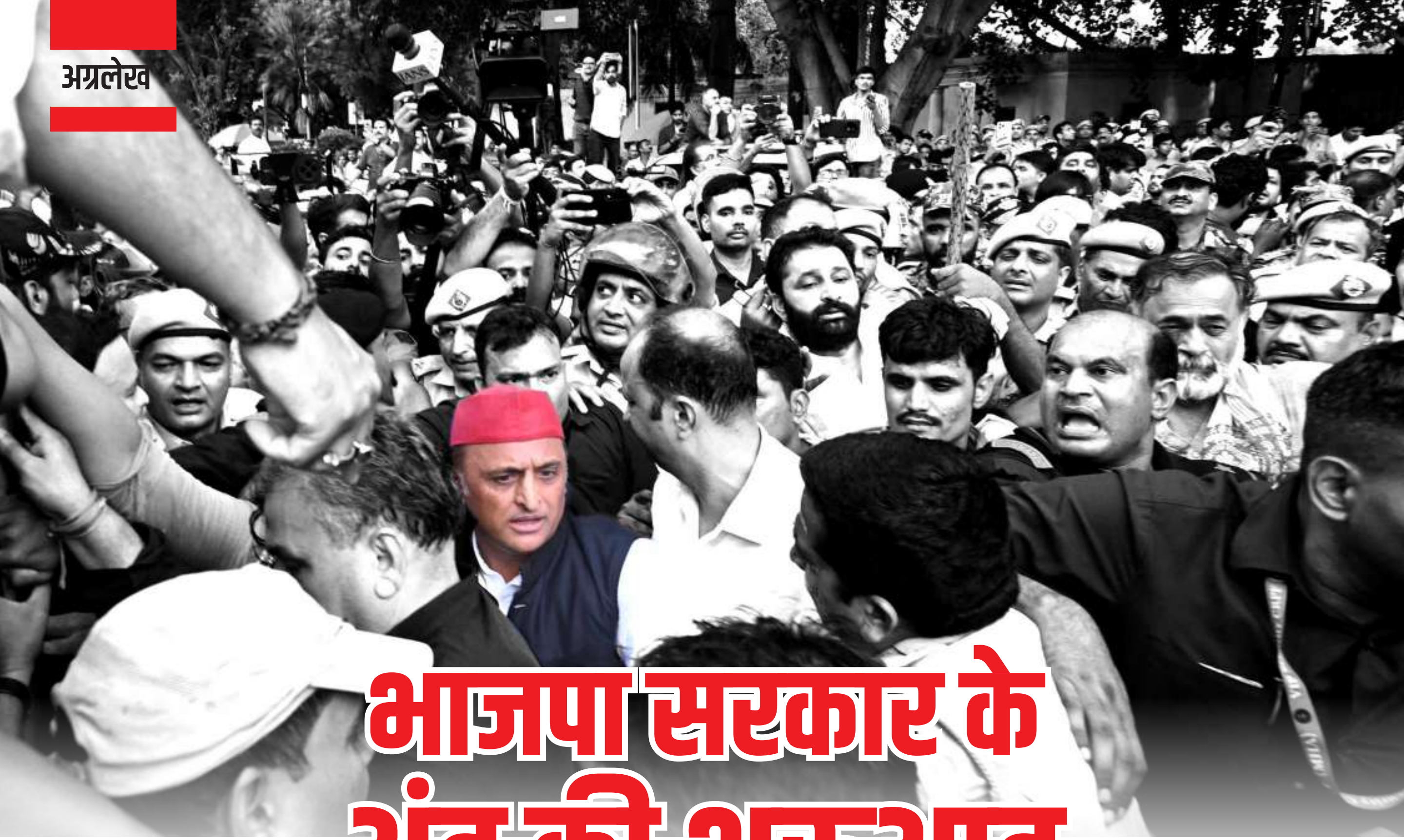

भाजपा सरकार के अंत की शुरुआत

उदय प्रताप सिंह

समाजवादी विचारधारा के वाहक डॉक्टर लोहिया कहा करते थे कि जब सड़कों पर अन्याय के विरुद्ध प्रदर्शन नहीं होंगे तो संसद आवारा हो जाएगी। संसद आवारा हो जाएगी का सीधा अर्थ था कि लोकतंत्र कमजोर हो जाएगा। पिछले 10-12 सालों से भाजपा सरकार संविधान की सरासर उपेक्षा करती हुई तानाशाही अंदाज में शासन कर रही थी। इसलिए मैं मानता हूं कि जुलाई 2026 का जंतर मंतर पर छात्र आंदोलन डॉक्टर लोहिया के इस कथन की सच्चाई की जीती जागती मिसाल साबित हुई है।

छात्रों ने, जिनको तिलचट्टा कहा गया था, परजीवी कहा गया था उन क्रोधित छात्रों ने लाखों की संख्या में एकत्रित होकर सरकार को चेतावनी दी कि शिक्षा में कई सालों से चल रही दादागिरी, धांधली, बेईमानी और पक्षपात नहीं चलेगा। 150 से ज्यादा परीक्षाओं के पेपर लीक हुए अथवा कराए गए।

निर्धन छात्रों ने जैसे तैसे परीक्षा का इंतजाम किया था लेकिन नीट की परीक्षा कई बार लीक होने से उनके सपनों पर कुठाराघात हो गया और बहुत से छात्रों ने तो आत्महत्या तक कर ली लेकिन जले पर नमक छिड़कने का काम तब हुआ जब उन छात्रों को तिलचट्टे की उपाधि दे दी गई।नतीजा यह हुआ की सीजेपी नाम की एक नई पार्टी भाजपा को चुनौती देने को रातों-रात खड़ी हो गई।

यह धरना प्रदर्शन एक महीने से ज्यादा चला। सबसे बड़ी बात यह थी कि इस धरने को कोई अनुभवी व्यक्ति संचालित नहीं कर रहा था लेकिन बच्चों एवं

युवकों, युवतियों ने बड़े क्रियात्मक ढंग से सकारात्मक सोच और कुशल नेतृत्व के साथ परीक्षा पेपर लीक के विरोध में पोस्टर बनाए, नारे लगाए और इस प्रदर्शन को संचालित किया। वह घमंडी भाजपा सरकार जो जानी जाती थी कि वह किसी के आगे नहीं झुकती

है उसको उन्हीं तिलचट्टों के सामने घुटने टेकने पड़े।

पुलिस ने सारे अत्याचारों के बाद लाठीचार्ज, आंसू गैस, पानी की बौछार तो की ही कुछ अन्य अराजक तत्व पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर इन प्रदर्शनकारियों पर अत्याचार कर रहे थे। उनकी लाठियां में कीले गड़ी हुई थी, बिजली के करंट भी थे। आजादी के बाद ऐसे अत्याचार प्रदर्शनकारियों पर पहले कभी नहीं हुए थे ।

भाजपा सरकार को भ्रम था कि यह युवा डर जाएंगे और धरना समाप्त हो जाएगा। सोनम वांगचुक के अनशन को तोड़ने के लिए सरकार ने उन्हें सामान की तरह एक सफेद चादर में बांधकर अस्पताल में भर्ती कर दिया।

शायद उन्होंने समझा था कि अब युवक भयभीत होकर अपना धरना प्रदर्शन बंद करने को विवश हो जाएंगे लेकिन जो हुआ वह उनके अनुमान के विपरीत था। एक व्यक्ति की भूख हड़ताल तोड़नी चाही तो हजारों लोग भूख हड़ताल के लिए तैयार हो गए। अर्थात इस घटना से आग में घी पड़ने का काम हुआ और धरना प्रदर्शन और भड़क गया।

याद रहे कि इस धरने के पीछे की कोई पार्टी नहीं थी लेकिन विपक्ष की हर पार्टी की हमदर्दी इस धरने के साथ थी। खासतौर से समाजवादी पार्टी की सांसद श्रीमती डिंपल यादव ने अन्य महिलाओं के साथ जिस तरह से इस घटना के दौरान दर्द में घायल युवकों को ममत्व भाव से हिम्मत बंधाई, उनके जख्मों पर मरहम पट्टी की उन पर पंखा झला, पानी पिलाया, इससे पता चलता है कि समाजवादी पार्टी की हमदर्दी इन प्रदर्शनकारियों से केवल दिखावे की नहीं थी।

इसी तरह जब सांसद राहुल गांधी नेता विपक्ष प्रधानमंत्री के घर के सामने धरने पर बैठे तब भी समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष व सांसद अखिलेश यादव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इस कठिनाई के समय कांग्रेस को सहायता दी।

जब तक इस धरने के मौके पर सांसद अखिलेश यादव जी नहीं पहुंचे थे तब तक पुलिस राहुल गांधी के धरने को बड़े हल्के से ले रही थी इसलिए उनकी गिरफ्तारी या उन पर जोर जबरदस्ती नहीं की थी लेकिन अखिलेश जी के दलबल के साथ पहुंचने पर पुलिस को मजबूरन धरने को समाप्त करने के लिए राहुल जी और अखिलेश जी की गिरफ्तारी करनी पड़ी।

इधर दिन पर दिन आंदोलन जोर पकड़ता गया। छात्रों का कहना था कि लोकतंत्र में सरकार की कुनीतियों के विरुद्ध सवाल उठाना और प्रदर्शन करना उनका संवैधानिक अधिकार है। वे कोई असंवैधानिक कार्य नहीं कर रहे न कानून का उल्लंघन कर रहे हैं।

नतीजा यह हुआ कि वह सरकार जो किसान आंदोलन के समय यह कहती थी कि हमारे यहां इस्तीफा नहीं होते हैं, उनके शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा और सरकार को छात्र नेताओं से बातचीत करनी पड़ी। उनकी शर्तें माननी पड़ी।

गिरफ्तार छात्रों को छोड़ने की तथा जिन छात्रों ने बार-बार पेपर लीक होने के कारण आत्महत्या की थी उनके परिवार को मुआवजा देने की शर्त भी माननी पड़ी। हालांकि सरकार ने आज की तारीख तक उन शर्तों पर काम शुरू नहीं किया है। छात्रों को मुआवजा देना तो दूर रहा गिरफ्तार छात्रों पर दूसरी दफाएं लगाकर उन्हें जेल में ही रखने का षड्यंत्र सरकार रच रही है ।

अभी तक छात्रों को समझौते के अनुसार आश्वासन पत्र जारी नहीं किया गया है। जैसी इस सरकार की आदत है कि पहले वायदे करती है फिर वायदों को जुमले की संज्ञा देकर उनसे मुकर जाती है, वही काम किया जा रहा है।

लेकिन सरकार को यह समझ लेना चाहिए कि छात्रों का यह प्रदर्शन अभी समाप्त नहीं हुआ है, यह भाजपा सरकार की समाप्ति की शुरुआत है। जब भाजपा सरकार ने यह देख लिया कि इस आंदोलन में समाजवादी पार्टी सर्वाधिक छात्रों की हिम्मत बढ़ाने का काम कर रही है तो उन्होंने समाजवादी पार्टी का ध्यान बांटने के लिए रामपुर की मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी को तोड़ने की घिनौनी साजिश रचनी शुरू कर दी।

आरोप लगाया गया कि इस यूनिवर्सिटी की 38 खूबसूरत इमारतें रामपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी की बिना इजाजत के बनी हैं जबकि रामपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी के बनने के पहले ये अस्तित्व में आ चुकी थीं। सरकार के इस कदम ने यह साबित कर दिया यह सरकार शिक्षा की दुश्मन है और संविधान में दिए गए राजनीति के निर्देशक तत्व के अनुसार नई यूनिवर्सिटी बनाने के बजाय पुरानी यूनिवर्सिटी को गिरने का काम कर रही है।

लोकतंत्र में ऐसी घिनौनी साजिश करना सरकार के लिए अपने ही ताबूत में कील ठोकने के बराबर नुकसान दायक साबित होगा।

दान पेटी के साथ सपा सांसदों का जोरदार प्रदर्शन

बुलेटिन ब्यूरो

अयोध्या श्रीराम मंदिर में चंदा चोरी के विरोध में समाजवादी पार्टी के सांसदों ने मानसून सत्र के दौरान संसद भवन के मकर द्वार पर प्रत्येक दिन प्रदर्शन किया और भाजपा सरकार को जमकर घेरा। सपा सांसदों ने विरोध के लिए बहुत अभिनव तरीका अपनाया।

इसके अंतर्गत सपा सांसदों ने सांकेतिक 'दानपात्र' के साथ जोरदार प्रदर्शन किया और दान इकट्ठा किया। संसद सत्र के समापन पर दान में इकट्ठा की गई धनराशि दिल्ली के हनुमान मंदिर में दान कर दी गई। दान पेटी के साथ प्रदर्शन के तहत

समाजवादी पार्टी संसदीय दल के नेता व पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में सांसदों ने भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। सांसद श्रीमती डिंपल यादव समेत सपा एवं इंडिया गठबंधन के कई सांसदों ने भी विरोध में प्रतीक रूप से दान पेटी में चंदा दिया।

यह विरोध जिस दिन शुरू हुआ उस दिन श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा सांसद मकर द्वार पर पहुंचे और उन्होंने जमकर नारेबाजी की। अन्य विपक्षी दलों ने भी समाजवादी पार्टी के विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया।

प्रदर्शन के बाद संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा 'अवध एक्सप्रेस' से सत्ता में आई थी, 'अयोध्या एक्सप्रेस' से उसकी वापसी तय है। उन्होंने कहा कि दानपात्र में हाथ डालने वाले भाजपाई और उनके संगी-साथियों के खिलाफ 'दानपात्र' के साथ सपा के सांसदों ने संसद के सामने जो सांकेतिक प्रदर्शन किया, उसे देखकर शर्मिंदगी में डूबे भाजपाई लोग, सबसे निगाह चुराकर चुपके से आते-जाते देखे गए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जनता कह रही है, हम उदार हृदय भारतीय लोग, भाजपाइयों की सौ क्या हजार चोरी भी माफ कर देते लेकिन धर्म के पैसे चुराने का महापाप हम कभी माफ नहीं करेंगे। जनता ये भी कह रही है कि जो भगवान के नहीं हुए, वो हमारे क्या होंगे। जो भाजपा का साथी, वह रामघाती-महापापी।

प्रभु श्रीराम के मंदिर से चढ़ावा चोरी करना महापाप है। यह महा अपराध भाजपा के लोगों ने किया है। जनता भाजपा को इसकी सजा देगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जो सरकार अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दान पात्र को नहीं बचा पाई। चढ़ावा चोरी हो गया, उससे पेपर लीक रोकने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। भाजपा ने देश के करोड़ों श्रद्धालुओं की श्रद्धा के साथ खिलवाड़ किया है, यही लोग युवाओं, नौजवानों, छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

चन्दा चोर,
गद्दी छोड़

दान पात्र

ANI

चढ़ावा चोर
गद्दी छोड़
चढ़ावा चोरी का पैसा
कहाँ गया
बीजेपी के दफ्तर में

दान पात्र

जो राम का चंदा चुराए,
वही भाजपाई कहलाए

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ही सबसे बड़ा संकट है। जब तक भाजपा सरकार नहीं जाएगी, संकट खत्म नहीं होगा। आन्दोलन के दौरान छात्रों पर पैलेट गन चला। आंसू गैस के गोले चले, लाठीचार्ज हुआ। कई छात्र, नौजवान घायल हुए हैं। उन्हें अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ा। ये बड़े सवाल हैं, सरकार को इनका जवाब देना होगा। पुलिस और सशस्त्र बल गृह विभाग में आते हैं। सरकार बताए छात्रों और नौजवानों पर किसके आदेश पर बल प्रयोग हुआ।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों से छात्र, नौजवान, किसान, मजदूर सभी दुःखी हैं। नौजवानों को नौकरी, रोजगार नहीं मिल रहा है। किसानों को समय पर खाद, बीज नहीं मिलता है। उत्तर प्रदेश में किसानों को धान की फसल के लिए डीएपी, यूरिया के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। सहकारी समितियों पर लाइनें लग रही हैं। किसान खाद के लिए भटक रहे हैं। खाद की कालाबाजारी और मुनाफाखोरी होती है। किसान परेशानी और संकट में हैं। भाजपा सरकार में डीएपी-यूरिया खाद सिर्फ कागजों पर उपलब्ध है।

जबसे भाजपा सरकार आयी है, तबसे खाद, बीज, कीटनाशक का संकट बना हुआ है। खाद के लिए हर सीजन में किसानों को लाइनों में खड़ा रहना पड़ता है। जब-जब किसानों को खाद का संकट होता सरकार कागजी आंकड़े लेकर आ जाती। सरकार के आंकड़ों और जमीनी सच्चाई में बहुत फर्क है।

पेपर
लीक
चढ़ावा चोर
गद्दी छोड़
PAPER
LEAK
दान पात्र

युवाओं की ललकार

झुकी भाजपा सरकार

बुलेटिन ब्यूरो

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने कहा था- जिस ओर जवानी चलती है, उस ओर ज़माना चलता है। नई दिल्ली में जंतर मंतर पर हाल में हुए युवाओं के आंदोलन ने यह कर दिखाया। युवाओं की ललकार के सामने इस्तीफा न देने का दंभ भरने वाली भाजपा सरकार को भी झुकना पड़ा।

सरकार को झुकाने वाले युवाओं को इसके लिए कुर्बानी भी देनी पड़ी। उनकी ललकार को दबाने के लिए भाजपा सरकार ने लाठीचार्ज, आंसू गैस व पैलेट गन का इस्तेमाल किया मगर युवा डरे न डिगे। डटे रहे। जुल्म सहा पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेकर ही माने।

युवाओं के हौसले और जुनून के सामने आखिरकार भाजपा सरकार नतमस्तक हुई। भाजपा सरकार की इस पराजय की जब भी चर्चा होगी तो समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव व मैनपुरी की सांसद श्रीमती डिंपल यादव के योगदान और भूमिका को भी रेखांकित किया जाएगा कि किस तरह दोनों ने मिलकर युवाओं के आंदोलन को भरपूर समर्थन दिया।

फोटो स्रोत : गू

दोनों नेताओं ने गिरफ्तारी तक की परवाह नहीं की और भाजपा सरकार के सामने डटकर सामना करने वाले युवाओं के साथ उतनी ही मजबूती से खड़े रहे जितना कि युवा जंतर मंतर पर डटे हुए थे।

इतिहास साक्षी है कि भारत की सियासत में जब-जब सत्ता बेपरवाह हुई है, तब-तब सड़क पर उतरी जवानी ने उसे आईना दिखाया है। 2026 के जुलाई महीने में दिल्ली के जंतर-मंतर पर जो दृश्य बना, वो उसी परंपरा की ताजा कड़ी है।

भाजपा के राज में नीट पेपर लीक, भर्तियों में धांधली, बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था के चरमराने के खिलाफ हजारों छात्र, अभिभावक और विपक्षी सांसद सड़कों पर आए।

इस आंदोलन का चेहरा युवा थे और उनकी ललकार ने केंद्र की भाजपा सरकार को बैकफुट पर ला दिया। दरअसल देश के युवा एक के बाद एक पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी और नौकरियों की कमी से जूझ रहे हैं। नीट, यूजीसी-नेट, एसएससी और राज्य स्तर की भर्तियों में लगातार सवाल उठे। पेपर लीक एक "सिस्टम" बन गया है जिसमें बड़े लोग शामिल हैं और छोटे छात्र सजा भुगत रहे हैं।

जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की तबीयत बिगड़ने के बाद मामला और गर्म हो गया। 14 जुलाई को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने उनसे फोन पर बात की। 15 जुलाई को समाजवादी पार्टी सांसद जंतर-मंतर पर पहुंच गए। असल में यहीं से आंदोलन को एक नई दिशा मिली।

20 जुलाई की सुबह से जंतर-मंतर से लेकर संसद तक सपा सांसद श्रीमती डिंपल यादव के नेतृत्व में सपा सांसद धर्मेंद्र यादव, राजीव राय, अक्षय यादव, आदित्य यादव, प्रिया सरोज, इकरा हसन आदि सड़कों पर उतरे तो युवाओं, छात्रों को एक ताकत मिल गई। इस आंदोलन के दौरान श्रीमती डिंपल यादव जिस तरह युवाओं के हक में सड़क पर उतरीं और दृढ़संकल्प का परिचय दिया, वह काबिले तारीफ रहा।

काबिले गौर है कि जंतर मंतर के आंदोलन की सबसे बड़ी ताकत इसकी "युवा ऊर्जा" थी। मंच पर कोई बड़ा भाषण नहीं था बल्कि छात्रों की चीख थी। जिसमें परीक्षाओं के लिए एक पारदर्शी और टेक्नोलॉजी आधारित सिस्टम, खाली पड़े 30 लाख सरकारी पदों पर भर्ती जैसी माकूल और जायज़ मांग की आवाज थी। दर्द था।

जुल्म-सितम पर पूरा देश युवाओं के साथ खड़ा हो गया। युवाओं को मिलते समर्थन, देश भर में भाजपा सरकार के खिलाफ बने माहौल ने भाजपा को मजबूर कर दिया।

भाजपा सरकार ने कई बार आंदोलन को खत्म करने के लिए दरार डालने की साजिश की।

बरगलाने की कोशिश की और युवाओं को गुमराह करने की कोशिश की पर युवा आंदोलन ने भाजपा के झूठे नारे "युवा और विकास" की बात की पोल खोल दी। कई भाजपा शासित राज्यों में भी छात्र सड़क पर उतर गए तो भाजपा पूरी तरह बैकफुट पर आ गई।

जाहिर है युवाओं की ललकार से भाजपा डर गई। उसे एहसास हो गया कि अब बदलाव की बयार बह रही है और उसके अब तक झूठ और जुमलों का किला ढहने वाला है। भाजपा को समझ में आ गया कि युवाओं के सामने उसकी साजिशें, झूठे वायदे बेपर्दा हो चुके हैं।

देश यह समझ चुका है कि युवाओं की एकता में इतनी ही ताकत है कि उसने पहले भी सत्ता की चूलें हिलाई हैं और अब आगे भाजपा की बारी है। युवाओं की ललकार" का मतलब सिर्फ नारेबाजी नहीं है।

इसका मतलब है कि अब युवा चुपचाप अन्याय नहीं सहेगा। वह सवाल पूछेगा, सड़क पर उतरेगा और वोट से जवाब देगा।

युवाओं-छात्रों ने पूरे देश में यह संदेश दे दिया है कि भाजपा सरकार ने देश के सिस्टम को खोखला कर दिया है और उसे हटाना बेहद जरूरी है

यह अटल सत्य है कि जब युवा ललकारता है, तो "ज़माना चलता है"। तय हो गया है कि लोकसभा चुनाव 2029 से पहले युवा वर्ग सबसे पहले 2027 में यूपी से भाजपा की विदाई करेगा क्योंकि उसे मालूम हो गया है कि देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में अगर भाजपा को बेदखल कर दिया गया तो केंद्र की भाजपा नीत सरकार खुद ब खुद गिर जाएगी और फिर युवाओं, छात्रों के अधिकारों, नौकरियों, आरक्षण बचाने और बेरोजगारी को खत्म की बात होगी। नीति बनेगी।

युवाओं-छात्रों ने पूरे देश में यह संदेश दे दिया है कि भाजपा सरकार ने देश के सिस्टम को खोखला कर दिया है और उसे हटाना बेहद जरूरी है। युवा और छात्र यह समझ गया है कि महंगाई, बेरोजगारी, परीक्षा लीक आदि के लिए भाजपा सरकार ही जिम्मेदार है।

इस आंदोलन ने यह भी साफ कर दिया कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ही युवाओं-छात्रों के सच्चे हितैषी हैं। जिस तरह इस आंदोलन में समाजवादी पार्टी छात्रों के साथ खड़ी रही, उसने युवाओं का दिल जीत लिया। युवाओं ने इस पूरे आंदोलन में राजनीतिक दलों की भूमिका करीब से देखी।

चूंकि युवा पढ़ा लिखा और समझदार है तो

फोटो स्रोत : गूगल

नई पीढ़ी की जीत, इंकलाब की जीत

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने छात्रों-नौजवानों के आंदोलन के दबाव में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफा पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह नई पीढ़ी की जीत है। इंकलाब की जीत है। उन्होंने कहा कि भाजपा की अहंकारी सरकार को जेन जी के सामने झुकना पड़ा। इस्तीफे की खबर ने नई पीढ़ी में ऊर्जा भरने का काम किया है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार को जिद नहीं करनी चाहिए थी, छात्र-नौजवानों, बच्चों से बात करके इस्तीफे का फैसला पहले हो जाना चाहिए था। सरकार ने स्वीकार किया कि परीक्षा लीक हुई थी लेकिन फिर भी सरकार मैनेजमेंट में लगी रही।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जेन जी की ताकत के सामने सरकार को झुकना पड़ा। जेन जी की ताकत को देकर हमेशा कैमरे के सामने बोलने वाले प्रधानमंत्री जी को मोबाइल के सामने आना पड़ा। एक बार नहीं, दो बार आना पड़ा।

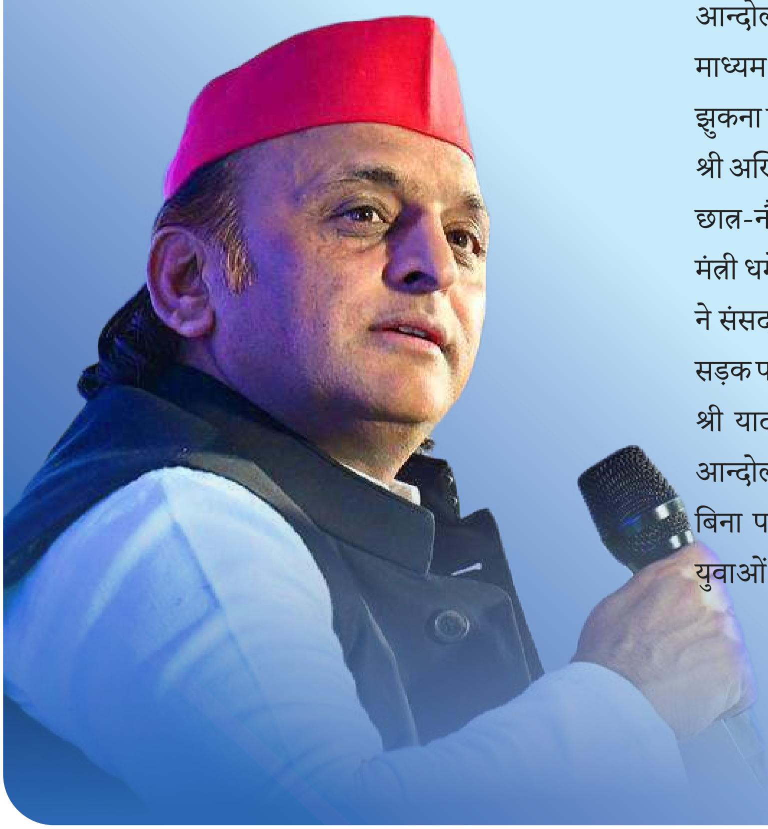

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि यह नई पीढ़ी की बड़ी जीत है। सरकार को समझना चाहिए। प्राइमरी से लेकर उच्च शिक्षा तक के बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए। परीक्षाओं के पेपर लीक न हो, इसके लिए ठोस कदम उठाना चाहिए। इस आन्दोलन से सबक सीखना चाहिए कि किसी परीक्षा का पेपर लीक न हो।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा नकारात्मक राजनीति करती है। उसके लिए बड़े पैमाने पर धन खर्च करती है लेकिन युवा पीढ़ी ने ऐसे नारे बनाए, पोस्टर बनाए जिनके बारे में तमाम लोग सोच ही नही सकते। यह आन्दोलन युवाओं, सोशल मीडिया और इंटरनेट के माध्यम से देश भर में फैला। अन्ततोगत्वा सरकार को झुकना पड़ गया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि नीट परीक्षा लीक मामले में छात्र-नौजवानों के साथ विपक्ष की भी पहली मांग शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की थी। उस मांग को विपक्ष ने संसद में उठाया। लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष उठाया। सड़क पर उतरा। विपक्ष अपनी मांग पर अडिग रहा।

श्री यादव ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के लिए उन सभी आन्दोलनकारियों और समर्थकों को बधाई दी, जिन्होंने बिना परवाह किए डटकर आन्दोलन को आगे बढ़ाया। युवाओं के इंकलाब से सरकार को झुकना पड़ा।

उसकी समझ में आ गया कि समाजवादी पार्टी पहले से ही युवाओं की हमदर्द रही है और इस आंदोलन में उसने जिस तरह समर्थन किया, ऐसा किसी और ने नहीं किया।

जाहिर है, युवा चाहेंगे कि 2027 में उत्तर प्रदेश में श्री अखिलेश यादव की सरकार बने और उनके रोजगार, नौकरी, आरक्षण और ध्वस्त हो चुके एजुकेशन सिस्टम को दुरुस्त किया जाए। चूंकि श्री अखिलेश यादव ने पहले भी इन मुद्दों पर ठोस काम किया है इसलिए उनसे युवाओं, छात्रों को उम्मीदें भी हैं और भरोसा भी।

भाजपा सरकार की कुनीतियों से उत्तर प्रदेश का किसान, मजदूर, शिक्षक, छात्र, व्यापारी पहले से ही त्रस्त है और वह भाजपा को सत्ता से बेदखल करने को तैयार बैठा है। युवाओं की सोच, उनके जुनून ने माहौल को समाजवादी पार्टी के पक्ष में तैयार कर दिया है। अब कोई शक नहीं कि 2027 में भाजपा सरकार जाने वाली है और श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में बनने वाली सरकार के जरिये उत्तर प्रदेश खुशहाली के पथ पर अग्रसर होने वाला है। अखिलेश सरकार में सामाजिक न्याय भी स्थापित होगा और नौकरी, रोजगार के अवसर भी आएंगे।

अखिलेश की सधी हुई रणनीति कामयाब रही

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने जंतर मंतर पर युवाओं के आंदोलन को भरपूर समर्थन दिया। प्रदर्शन कर रहे युवाओं को समर्थन देने को लेकर श्री यादव ने नफा-नुकसान की परवाह नहीं की। उन्हें फिक्र और परवाह थी तो युवाओं के हितों की। पूरे आंदोलन में श्री यादव ने आत्म प्रचार करने के बजाय युवाओं को समर्थन देने की सधी हुई रणनीति पर काम किया।

श्री अखिलेश यादव ने संसद मार्च के दौरान 20 जुलाई को छात्रों-नौजवानों, बेटियों पर हुए पुलिसिया जुल्म के खिलाफ जमकर गुस्से का इजहार भी किया। उन्होंने कहा कि आजाद भारत में छात्रों के साथ कोई सरकार इस तरह का व्यवहार करेगी, इसकी कल्पना नहीं की जा सकती।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार हिटलर की तरह काम कर रही है। हिटलर भी अपने राजनीतिक कार्यकर्ताओं को पुलिस की वर्दी पहनाकर विरोधी राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं और नेताओं की पिटाई करवाता था।

जंतर-मंतर पर जब युवा अपनी मांगों को लेकर इकठ्ठा हो रहे थे तो समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव पहले दिन से ही युवाओं के साथ खड़े नजर आए। नीट पेपर लीक के अलावा उत्तर प्रदेश में लगातार हो रहे पेपर लीक मामले में श्री अखिलेश यादव पहले ही आवाज बुलंद करते रहे हैं।

जब युवाओं का गुस्सा सड़क पर आ गया तो श्री अखिलेश यादव ने उन्हें मजबूती के साथ समर्थन देने का ऐलान किया। नतीजा यह हुआ कि युवाओं के बीच लोकप्रिय श्री

अखिलेश यादव के समर्थन से युवाओं को एक दिशा में मिली और उत्तर प्रदेश व देश में श्री यादव के समर्थक युवा भी दिल्ली कूच कर गए।

युवाओं के इस आंदोलन में श्री अखिलेश यादव की सबसे अहम भूमिका इस तौर पर रेखांकित की गई कि उन्होंने इस आंदोलन का नेतृत्व करने के बजाय युवाओं को समर्थन देकर ताकत दी। अमूमन राजनेता किसी भी आंदोलन का नेतृत्व करने की इच्छा लेकर आगे आते हैं मगर पूरे आंदोलन में श्री अखिलेश यादव ने ऐसा कोई प्रयास नहीं किया। अलबत्ता वे युवाओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर लगातार चिंतित रहे और भाजपा सरकार पर युवाओं के समर्थन में दबाव बनाते रहे।

श्री अखिलेश यादव ने अपने सांसदों को लगातार छात्र-नौजवानों के बीच भेजा। उनकी तकलीफों को जाना और उसे दूर करने का प्रयास किया। श्री यादव की भूमिका को लेकर देश भर में सराहना हुई और यह संदेश पुख्ता हुआ कि श्री अखिलेश यादव ही एकमात्र ऐसे राजनेता हैं जोकि युवाओं की बात करते हैं, युवाओं की वकालत करते हैं और रोजगार, नौकरी, आरक्षण आदि के मुद्दों पर न केवल मुखर हैं बल्कि इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाने वालों का भी ईमानदारी व सदाशयता से साथ देते हैं। बस, वह यही चाहते हैं कि युवाओं, छात्रों की समस्याओं का ठोस समाधान हो।

डिंपल यादव

ममत्व और नेतृत्व की मजबूत जुगलबंदी

बुलेटिन ब्यूरो

दिल्ली के जंतर मंतर पर युवाओं के आंदोलन ने इतिहास रचा तो मैनपुरी की सांसद श्रीमती डिंपल यादव ने इस आंदोलन के दौरान नेतृत्व की अद्भुत क्षमता के साथ ममतामयी छवि का भी एहसास कराया।

जंतर मंतर पर बतौर सांसद पहुंचकर श्रीमती डिंपल यादव ने न केवल नेतृत्वकारी भूमिका निभाई बल्कि युवाओं, छात्र-छात्राओं के बीच उन्होंने ममतत्व की ऐसी अमिट छाप छोड़ी कि पूरा देश उनकी ममत्व का कायल हो गया।

वहीं जंतर-मंतर आंदोलन पर पुलिस के बर्बर लाठीचार्ज के दौरान घायल युवाओं के इलाज को लेकर श्रीमती डिंपल यादव की मौके पर सक्रियता एहसास करा गई कि बच्चों की तकलीफ पर एक मां ऐसे ही बेचैन होती है। इतना ही नहीं सपा के सांसदों के साथ युवाओं के समर्थन में पुलिस बैरिकेडिंग पर पुलिसिया कार्रवाई को चुनौती देने के उनके तेवरों में उनके नेतृत्व क्षमता की भरपूर चर्चा हुई।

नीट पेपर लीक को लेकर जब युवाओं की दिल्ली के जंतर मंतर पर जुटान हुई और भूखे-प्यासे, बीमारी की हालत में भी धरना-प्रदर्शन पर डटे युवाओं को समर्थन देने के लिए सबसे पहले कोई राजनेता आगे आया और जंतर मंतर पहुंचा तो वह श्रीमती डिंपल यादव थीं।

1 6 जुलाई को श्रीमती डिंपल यादव सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल के 19वें दिन सांसद धर्मेंद्र यादव, मोहिब्बुल्लाह नदवी, लक्ष्मीकांत निषाद, नरेश उत्तम और विधायक डॉ. रागिनी सोनकर आदि तमाम नेताओं का नेतृत्व करते हुए जंतर मंतर पहुंचीं। श्री वांगचुक से मुलाकात की।

उन्हें समर्थन दिया और स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने एक नेतृत्वकर्ता के तौर पर कहा कि सोनम वांगचुक का संघर्ष पूरे देश के युवाओं की आवाज बन चुका है। श्रीमती डिंपल यादव ने छात्रों से कहा कि वे खुद को अकेला न समझें क्योंकि समाजवादी पार्टी और श्री अखिलेश यादव उनके साथ मजबूती से खड़े हैं।

युवाओं के बीच श्रीमती डिंपल यादव मां की भूमिका में नजर आईं। उन्होंने बच्चों से कहा कि वह खुद एक मां हैं, अखिलेश जी पिता हैं। हम बच्चों का दर्द बखूबी समझते हैं। वह छात्रों का दर्द समझ सकती हैं। उन्होंने जंतर-मंतर पर घायल बच्चों पर ममतत्व से

हाथ फेरा। पानी पिलाया। इलाज कराया और एक अभिभावक के तौर पर सरकार पर तीखा हमला बोला। उनकी संवेदनशीलता एक बार फिर सबको कायल कर गई।

20 जुलाई को भी जब युवा संसद मार्च को निकले तो नेतृत्व की अद्भुत क्षमता का परिचय देते हुए सांसद श्रीमती डिंपल यादव के नेतृत्व में सांसद धर्मेन्द्र यादव, श्री आदित्य यादव, पुष्पेंद्र सरोज, श्रीमती रुचि वीरा, जियाउर्रहमान बर्क, सुश्री इकरा हसन जी, राजीव राय जी, देवेश शाक्य, श्री छोटेलाल खरवार, हरेंद्र मलिक समेत तमाम सांसद भी सड़क पर आ गए। श्रीमती डिंपल यादव समेत सभी सांसदों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

निश्चित ही युवाओं के आंदोलन के दौरान श्रीमती डिंपल यादव की भूमिका, उनके नेतृत्व से ममतत्व तक की नई तरह की गढ़ी गई यह इबारत वर्षों तक याद रखी जाएगी। श्रीमती डिंपल यादव ने इस आंदोलन के दौरान एक ऐसी बड़ी लकीर खींची है जिसे मिटाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है।

उल्लेखनीय है कि मैनपुरी की सांसद के तौर पर डिंपल जी एक आदर्श जनप्रतिनिधि की भूमिका में भी अपनी पहचान बना रहीं हैं। जब वह मैनपुरी से नेताजी मुलायम सिंह यादव की राजनीतिक विरासत संभालने

उतरीं तो मैनपुरी की जनता ने बहू-बेटी के तौर पर उन्हें सिर आंखों पर बिठा लिया था। चुनाव के दौरान भी उन्होंने जिस तरह सादगी, शालीनता, सरलता पेश की तो पूरा मैनपुरी उनका मुरीद हो गया था। उन्होंने भी मैनपुरी की सेवा के लिए दिन रात एक कर दिए।

श्रीमती डिंपल यादव एक ऐसी सांसद हैं जिनका पूरा देश इसलिए और सम्मान करता है कि उनका सद् व्यवहार, सरलता, शांत स्वभाव, शालीनता, सहजता आकर्षित करने वाली है। उन्होंने बतौर जनप्रतिनिधि खुद को मजबूती से स्थापित किया है और यह संदेश दे दिया कि सादगी, सरलता, सहजता के साथ भी राजनीति की जाती है। शालीनता, सादगी, सरलता श्रीमती डिंपल यादव की पहचान बन चुकी है।

नीयत साफ होगी तभी परीक्षा साफ होगी

- लोकसभा में बोले अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कन्नौज से सांसद श्री अखिलेश यादव ने लोक परीक्षा संशोधन विधेयक 2026 पर चर्चा में भाग लेते हुए लोकसभा में जोरदार और तार्किक तरीके से अपनी बात रखी। उन्होंने नौजवानों का समर्थन किया और तमाम तथ्यों के साथ भाजपा सरकार को जमकर घेरा।

28 जुलाई को लोकसभा में अपनी बात रखते हुए श्री अखिलेश यादव ने नीट परीक्षा लीक के खिलाफ हुए आन्दोलन के लिए छात्रों और नई पीढ़ी के मनोबल, एकता और उनके प्रचार को बधाई देते हुए कहा कि छात्रों-नौजवानों ने केन्द्र सरकार को झुका दिया। नौजवानों को, सरकार को झुकाना आता है। इसीलिए आन्दोलन की जीत के बाद नारा लगा- झुकती है सरकार, झुकाने वाला चाहिए।

श्री यादव ने कहा कि ऐसा आंदोलन पहले किसी ने नहीं देखा था। नई पीढ़ी के लोग खुद निकल कर इस आन्दोलन में आए। यह सरकार पिछले कई वर्षों से नकारात्मक प्रचार पर टिकी थी। यह नकारात्मक

राजनीति करती है। नकारात्मक राजनीति पर करोड़ों रूपये खर्च करती है। लेकिन नई पीढ़ी ने अपनी एकता मनोबल और प्रचार के तरीके से भाजपा सरकार को झुका दिया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि यह सरकार वचन नहीं जुमला देती है। किसानों ने वर्षों तक धरना-प्रदर्शन, आन्दोलन किया था लेकिन उनकी नहीं सुनी गई। जब चुनाव करीब आया तब किसानों के खिलाफ लाए गए तीनों काले कानून वापस ले लिए। यह सरकार जब डर जाती है, घबरा जाती है, तब झुक जाती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जो लोक परीक्षा संशोधन विधेयक 2026 लाया गया है उसके बारे में सरकार को बताना चाहिए कि जब 2024 में यह एक्ट लेकर आए थे तो नीट पेपर लीक क्यों हुआ और 2026 में छात्रों को आंदोलन क्यों करना पड़ा?

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षा अच्छी होगी, परीक्षा सच्ची होगी तो तरक्की भी पक्की होगी लेकिन यह सरकार शिक्षा और परीक्षा पर हमला कर रही है। सरकार की नीयत साफ नहीं है। नीयत साफ होगी तभी परीक्षा साफ होगी।

उन्होंने कहा कि यह ऐसा आन्दोलन रहा जिसमें नई पीढ़ी और उनके माता-पिता सब जुड़ गए। इस परीक्षा से 20 लाख छात्र और उनके परिवार समेत करोड़ों लोग जुड़े। यह आन्दोलन केवल दिल्ली में नहीं, पूरे देश में हुआ। परीक्षाओं के लीक होने से सब लोग दुःखी हैं। जो लोग प्रभु श्रीराम के दरबार से चढ़ावा चोरी नहीं रोक पाए, वे पेपर लीक कैसे बचा पाएंगे? भगवान के दरबार से दान गायब हो गया, चढ़ावा चोरी हो गया।

उन्होंने कहा कि पेपर लीक संसोधन कानून लाकर सरकार आंखों में धूल झोंक रही है। पेपर लीक को लेकर कानून तो पहले से है लेकिन सरकार पेपर लीक नहीं रोक पाई। अगर कानून से पेपर लीक बच रहा होता तो भाजपा की 10 साल की सरकार में उत्तर प्रदेश में 20 पेपर लीक कैसे हो गए।

जब से यह सरकार बनी है, तब से इसने शिक्षा, परीक्षा और विश्वविद्यालयों का ताना-बाना ध्वस्त कर दिया। इस सरकार ने सबसे पहले प्राइमरी शिक्षा पर हमला किया। जहां से बच्चों के शिक्षा की यात्रा शुरू होती है, उन प्राथमिक स्कूलों को बंद किया

श्री यादव ने कहा कि नीट परीक्षा लीक कराने वाली संस्था एनटीए में इस सरकार ने आउटसोर्सिंग से भर्ती कर लिया। हम विपक्ष के लोगों को डर लगता है, कहीं ये लोग पूरी सरकार को ही आउट सोर्स न कर दे। जिस संस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, परीक्षा कराने की उसमें आउटसोर्स से भर्ती कर ली जाती है, सरकार बताए कि वह कौन लोग थे जो एनटीए में बैठकर घोटाला कर रहे थे। आखिर जवाबदेही किसकी है?

श्री यादव ने कहा कि जब से यह सरकार बनी है, तब से इसने शिक्षा, परीक्षा और विश्वविद्यालयों का ताना-बाना ध्वस्त कर दिया। इस सरकार ने सबसे पहले प्राइमरी शिक्षा पर हमला किया। जहां से बच्चों के शिक्षा की यात्रा शुरू होती है, उन प्राथमिक स्कूलों को बंद किया।

इस सरकार ने एक लाख से ज्यादा प्राइमरी स्कूल बंद कर दिए। उनमें से यूपी में सबसे ज्यादा बंद हुए है। 69 हजार शिक्षक भर्ती में यूपी सरकार ने बड़े पैमाने पर घोटाला किया है। शिक्षक अभ्यर्थी हर कोर्ट में गये। आन्दोलन किया। मंत्रियों के यहां गए, हर जगह गए लेकिन सरकार उन्हें नौकरी नहीं दे रही है।

भाजपा सरकार ने 69 हजार शिक्षक भर्ती में पिछड़े और दलित छात्रों का अधिकार छीना है। भाजपा सरकार में माध्यमिक स्कूलों को भी बंद किया है। बड़े पैमाने पर बोर्ड पेपर लीक हुए।

श्री यादव ने नीट पेपर लीक के बाद जान देने वाले छात्रों को श्रद्धांजलि देते हुए सरकार से मांग की कि पीड़ित परिवारों की मदद करें और मांगे पूरी करें।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में आन्दोलनकारी छात्रों के साथ सरकार ने क्या-क्या किया, सभी ने देखा। आंसू गैस के गोले, लकड़ी में लगी कील और कांटे से मारा गया। करंट लगाया गया। इस सरकार ने छात्र नौजवानों के साथ इमरजेंसी से ज्यादा अन्याय किया है।

भाजपा को कभी माफ नहीं करेंगे युवा

- डिंपल जी ने लोकसभा में सरकार को घेरा

बुलेटिन ब्यूरो

मैनपुरी से समाजवादी पार्टी की सांसद श्रीमती डिंपल यादव जी ने लोकसभा में लोक परीक्षा संशोधन विधेयक 2026 पर चर्चा में भाग लेते हुए नीट पेपर लीक को लेकर हुए आंदोलन की सफलता के लिए छात्रों, युवाओं और जेन जी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कि देश के छात्रों ने इस शासन-प्रशासन से बिना डरे अहंकारी सरकार का मुकाबला किया।

उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर का आंदोलन एक महीने से शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा था, इसमें हर राज्य के छात्र-नौजवान शामिल थे। छात्रों को आना-जाना लगा था। आंदोलन को समाजवादी पार्टी ने पूरा समर्थन था।

28 जुलाई को लोकसभा में अपनी बात रखते हुए श्रीमती डिंपल यादव ने कहा कि सत्ता पक्ष के सांसद और नेताओं ने छात्रों-नौजवानों को अराजक तत्व कह कर अपमानित किया। देश का छात्र नौजवान

इन लोगों को कभी माफ नहीं करेगा।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के युवा सांसद जंतर-मंतर पर आंदोलन में शामिल हुए। हम लोग वहां कोई राजनीति करने नहीं गए थे, हम देश के युवाओं की मांगों के समर्थन में गए थे। 18 जुलाई को मै भी जंतर-मंतर पर गई, वहां अनशन पर बैठे श्री सोनम वांगचुक और छात्रों से मिली।

जंतर-मंतर पर जो युवा अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से बैठे थे, इस सरकार ने उनके साथ ज्यादती की। आंदोलन में 20 जुलाई को हर प्रदेश यूपी, बिहार, एमपी, महाराष्ट्र से छात्र-नौजवान आए। छात्रों में इस सरकार के खिलाफ आक्रोश है क्योंकि यह सरकार आंखे मूंदे बैठी रही।

श्रीमती डिंपल यादव ने कहा कि छात्रों के साथ सड़कों पर जो बर्बरता हुई उसे बयान नहीं किया जा सकता। सौ-सौ मीटर पर बेरीकेडिंग लगाकर छात्रों को घेर दिया उसके बाद उनपर लाठियां बरसाई गईं। सिर फोड़े गए। आंदोलन में शामिल बेटियों के कपड़े जानबूझकर फाड़े गए। बच्चों को कील लगी लाठियों से मारा। छात्रों पर पैलेट गन चलाया गया। कई बच्चे बेहोश हो गए।

उन्होंने कहा कि सरकार ने छात्रों को बहुत दर्द दिया। हम लोगों ने उस दर्द को महसूस किया। तमाम अत्याचार के बाद भी छात्र-नौजवानों ने बिना डरे सरकार और प्रशासन का मुकाबला किया। छात्रों के साथ हुए बर्बरता को जितनी माताओं-बहनों, परिवार के बड़े के लोगों ने देखा, सब लोग आहत हुए।

उन्होंने कहा कि सरकार के लोग इमरजेंसी की बात करते हैं लेकिन दिल्ली की सड़कों पर इस सरकार ने छात्रों-नौजवानों के साथ इमरजेंसी से भी ज्यादा अत्याचार और बर्बरता की।

भारत का नया भविष्य लिखना चाहते हैं युवा

अरुण कुमार त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

वह कौन रोता है वहां-
इतिहास के अध्याय पर,
जिसमें लिखा है, नौजवानों के लहू का मोल है
प्रत्यय किसी बूढ़े, कुटिल नीतिज्ञ के व्यवहार का;
जिसका हृदय उतना मलिन जितना कि शीर्ष वलक्ष है
जो आप तो लड़ता नहीं,
कटवा किशोरों को मगर,
आश्वस्त होकर सोचता,
शोणित बहा, लेकिन, गयी बच लाज सारे देश की?

रामधारी सिंह दिनकर ने कुरुक्षेत्र की उपरोक्त पंक्तियों में युवाओं की उस पीड़ा को स्वर दिया है जो सत्ताधारियों द्वारा रची गई देशभक्ति और राष्ट्रवाद की स्वार्थी परिभाषाओं में उलझ कर दम तोड़ती रही है। आज के शासकों ने सोचा था कि हिंदू धर्म खतरे में है और हमें लड़ना होगा का रणघोष और अमृतकाल के स्वप्न में खोकर युवा लगातार छला जाता रहेगा। लेकिन जंतर मंतर के युवा आंदोलन ने इस छल कपट के मायाजाल को काट दिया है और 20 जुलाई को यह साबित कर दिया है कि उसके भीतर इस व्यवस्था को लेकर कितना आक्रोश है। दूसरी ओर शासक वर्ग ने यह साबित कर दिया कि वह कितना क्रूर है और इस पीढ़ी को कितना कम समझता है।

जंतर मंतर पर काकरोच जनता पार्टी ने जिस आंदोलन की शुरुआत की थी वह रोज अपने नए शुभचिंतक, समर्थक और सहयोगी जोड़ता जा रहा है। इसी के साथ दिन ब दिन बदल रहा है उसका स्वरूप और हो रहा है उसके मुद्दों का विस्तार। जेन जी के नाम से पहचाना जाने वाला य़ह आंदोलन अब जेन अल्फा तक पहुंच चुका है और पहले इससे खिंची खिंची सी दिखने वाली बेबी बूमर पीढ़ी भी अब धीरे धीरे उसके साथ होने में मुल्क का भविष्य देख रही है।

नेशनल इलिजिबिलिटी कम इन्ट्रेंस टेस्ट(नीट) और सीबीएसई की आनलाइन मार्किंग सिस्टम में हुई जबरदस्त धांधली के विरुद्ध शुरू हुआ यह आंदोलन पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, पेपर

लीक में निराश युवाओं को मुआवजा और युवाओं पर दर्ज मुकदमों की वापसी तक केंद्रित था। यह आश्चर्य का विषय है कि जिस सरकार के केंद्रीय मंत्री यह कहते थे कि यह यूपीए की सरकार नहीं है एनडीए की सरकार है यहां इस्तीफे नहीं होते उसी सरकार के केंद्रीय मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा।

भले ही वे उससे पहले आंदोलनकारियों को टुकड़े टुकड़े गैंग और देशद्रोही बता रहे थे और इस्तीफे के बाद अपनी झेंप मिटाने के लिए अभिनंदन करवाते घूम रहे हैं। आंदोलन की आरंभिक सफलता ने उसके राजनीतिक क्षितिज का विस्तार किया है और अब वह आंदोलन पूरी शिक्षा व्यवस्था में बुनियादी परिवर्तन और फिर देश की सत्ता में परिवर्तन की दहलीज तक आ पहुंचा है।

क्योंकि रामधारी सिंह दिनकर के शब्दों में वह जानता है कि युवाओं के तमाम आंदोलनों में सत्य को रोता हुआ देखने के बाद अब सतर्क होने और संगठित होने से कम पर काम नहीं चलेगा। उसकी इस भावना को कुरुक्षेत्र खंडकाव्य के अगले छंद में दिनकर कुछ इस तरह व्यक्त करते हैं-:

लड़ना उसे पड़ता मगर।
औ' जीतने के बाद भी,
रणभूमि में वह देखता है सत्य को रोता हुआ;
वह सत्य, है जो रो रहा इतिहास के अध्याय में
विजयी पुरुष के नाम पर कीचड़ नयन का डालता।

जंतर मंतर पर 39 दिन तक संघर्ष की अंगड़ाइयां लेते युवाओं ने न सिर्फ फासीवाद से भयभीत देश को अभय किया है बल्कि संघर्ष के सिद्धांत और तरीकों का अद्भुत मिश्रण भी तैयार किया है। जंतर मंतर पर एक ओर लद्दाख के इंजीनियर और पर्यावरणविद सोनम वांगचुक अनशन कर रहे थे तो दूसरी ओर सीपीआईएमएल के संगठन आल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन(आइसा) के छात्र नेहा, मनीष और अन्य लोग भी आमरण अनशन पर डटे थे।

जंतर मंतर पर 39 दिन तक संघर्ष की अंगड़ाइयां लेते युवाओं ने न सिर्फ फासीवाद से भयभीत देश को अभय किया है बल्कि संघर्ष के सिद्धांत और तरीकों का अद्भुत मिश्रण भी तैयार किया है

लेकिन गांधी के सत्याग्रह के हथियार का प्रयोग कर रहे इन आंदोलनकारियों के हाथ में न तो महात्मा गांधी का चित्र था और न ही वे महात्मा गांधी जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। उनके हाथों में थे डॉ भीमराव अंबेडकर और भगत सिंह के चित्र। यह बीसवीं सदी के भारत के तीन ऐसे प्रतीक हैं जो लंबे समय तक देश और दुनिया को प्रेरणा देते रहेंगे। भगत सिंह अगर कम उम्र में गहरी समझ और सुप्रीम सेक्रीफाइस (बलिदान) के प्रतीक हैं तो डॉ अंबेडकर सामाजिक न्याय के प्रतीक पुरुष हैं। गांधी सत्य और अंहिसा के ऐसे पैगंबर हैं जिन्हें पाकर भारत ही नहीं यह दुनिया भी अपने को धन्य मानती है।

अमेरिकी दार्शनिक और प्रोफेसर जॉन डेवी के शिक्षा और लोकतंत्र नामक विचारों को भारत में स्थापित करते हुए डॉ अंबेडकर ने कहा था कि शिक्षित बनो, संगठित बनो और संघर्ष करो जबकि भगत सिंह इंकलाब जिंदाबाद और साम्राज्यवाद मुर्दाबाद का महज नारा ही नहीं लगाते थे बल्कि उसकी व्याख्या करते हुए कहते थे कि क्रांति का मतलब ऐसी व्यवस्था से है जहां कोई किसी का शोषण न करे और पिछली मूल्य व्यवस्था की जगह पर नई व्यवस्था कायम हो। गांधी ने हर अन्यायी का हृदय परिवर्तन करने का सुझाव दिया था और हिंसा से इसलिए परहेज करने की सलाह दी थी कि दूसरा पक्ष भी सही हो सकता है। इसलिए अगर हम उसे मार देंगे तो सत्य का एक हिस्सा खत्म कर देंगे। गांधी किसी को भी अपना दुश्मन मानते नहीं थे।

इस तरह कहा जा सकता है कि गांधी का फोटो न होते हुए भी, उनकी जय के नारे न लगाते हुए भी उस पूरे परिवेश में गांधी उपस्थित थे तभी युवाओं ने सत्याग्रह का रास्ता अपनाया। और उनकी जीत हुई। सत्याग्रह की गांधी और डॉ लोहिया की परंपरा का अंतर्संबंध बहुत गहरा है और डॉ लोहिया चाहते थे कि सत्याग्रह का विचार भारत के कम्युनिस्ट भी अपनाएं।

समाजवादी विचारक और डॉ लोहिया के अनन्य सहयोगी कृष्णनाथ एक प्रसंग याद दिलाते हैं। स्थान लखनऊ जिला जेल। अक्तूबर 1957 की दुपहरी थी। कृष्णनाथ जी ने डॉ लोहिया से कहा कि आपने गांधी जी के बाद उनके सत्याग्रह को जिला दिया। डॉ लोहिया ने कहा अभी नहीं। जब तक कम्युनिस्ट भी इसे न अपना लें तब तक कुछ कहा नहीं जा सकता क्योंकि कम्युनिस्टों की तादाद काफी है और अगर उन्होंने गांधी के

अहिंसा के हथियार को अपना लिया तो इसका असर व्यापक होगा॥

जंतर मंतर के आंदोलन में वही हुआ। मार्क्सवाद को मानने वाले आइसा के युवाओं ने गांधी का सत्याग्रह अपनाया। गांधी को मानने वालों ने डॉ अंबेडकर के लोकतंत्र और सामाजिक न्याय को आदर्श माना और भगत सिंह तो सभी के अपने हैं। भगत सिंह के प्रति भारतीय समाज के आदर को डॉ लोहिया से अधिक कौन समझ सकता है जिन्होंने 23 मार्च यानी भगत सिंह के शहादत दिवस पर पड़ने वाले अपने जन्मदिवस को कभी नहीं मनाया।

इस आंदोलन ने विपक्ष को मदद की और विपक्ष ने आंदोलन की मदद की। स्वतंत्र मंच और संगठन से शुरू हुए आंदोलन विशेषकर काकरोच जनता पार्टी ने जब सोशल मीडिया पर अपनी दो करोड़ की पहुंच बनाई तो सरकार के कान खड़े हो गए। भारत के मुख्य न्यायाधीश की एक तल्ख टिप्पणी का प्रहसन करते हुए चुने गए इन नाम ने जादू दिखा दिया। कुछ वैसा ही हुआ जैसे अंग्रेजों ने भारत की आजादी की पहली लड़ाई को गदर कहा तो अमेरिका में रहने वाले भारतीयों ने गदर पार्टी ही बना डाली।

उन्होंने तय किया कि हथियारबंद तरीके से अंग्रेजों को भारत की धरती से उखाड़ फेंका जाए। काकरोच जनता पार्टी ने युग जमाने के लिए अपने हथियार चुने और संवाद के आधुनिक उपकरणों का विधिवत इस्तेमाल किया। जिसने जनभावनाओं को आगे लाने में मदद की।

शिक्षा में सुधार और व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के लिए युवाओं ने जो मुद्दे स्वायत्त मंच से खड़े किए और संसद के दरवाजे तक पहुंचाया उसे विपक्ष ने संसद के भीतर गरमा दिया। इतना ही नहीं लोकसभा सदस्य डिंपल यादव, इकरा हसन समेत समाजवादी पार्टी के एक दर्जन सांसद 20 जुलाई के संसद मार्च में शामिल हुए। उन्होंने घायलों को सहारा दिया। उन्हें मां जैसा स्पर्श देकर उनकी पीड़ा को हरने की कोशिश की। अस्पताल में उनकी देखभाल की और उनकी चिकित्सा की समुचित व्यवस्था की।

युवाओं के आंदोलन की समाजवादी परंपरा पुरानी है। उसी मकसद को लेकर 1934 में कांग्रेस समाजवादी पार्टी बनी थी और उस समय डॉ लोहिया महज 23 साल के थे। जयप्रकाश जी 31 साल के थे। अच्युत पटवर्धन 29 साल के थे। युसुफ मेहर अली 30 साल के थे। उनमें सबसे वरिष्ठ थे आचार्य नरेंद्र देव। वे 45 साल के थे। उन्हें इसीलिए कार्यक्रम की सदारत सौंपी गई।

समाजवादी क्रांति के लिए युवाओं की एक फौज तैयार करने के मकसद से ही डॉ लोहिया ने 5-7 अक्तूबर 1962 को हैदराबाद में समाजवादी युवजन सभा का गठन किया। किशन पटनायक, जनेश्वर मिश्र, बृजभूषण तिवारी, मोहन सिंह, मार्केंडेय सिंह, श्याकृष्ण पांडे, राजकुमार जैन, रमाशंकर सिंह, विजय प्रताप, जयशंकर पांडेय, मुलायम सिंह यादव जैसे तेजस्वी युवाओं ने इस संगठन को पूरे देश में जुझारू वातावरण निर्मित करने में बड़ा योगदान दिया। आज समाजवादी आंदोलन को इसी परंपरा को आगे बढ़ाने की

आवश्यकता है।

युवाओं के इस आंदोलन ने 1967 के विश्व व्यापी युवा आंदोलन, 1974-75 के जेपी आंदोलन की यादें ताजा कर दी हैं। 20 जुलाई को ऐसे तमाम लोगों को आशा बंधी है जो भाजपा के फासीवादी शिकंजे में फंस कर दम तोड़ते लोकतंत्र की दशा देखकर निराश हो रहे थे। 2024 में राष्ट्रीय स्तर पर बहुमत से दूर रह कर और उत्तर प्रदेश में आधी सीटें गंवा कर भाजपा अपने घाव सहला रही थी लेकिन उसके बाद उसने महाराष्ट्र, हरियाणा, मध्य प्रदेश, बिहार और फिर पश्चिम बंगाल में वोट चोरी, एआईआर के माध्यम से नाम काट कर जिस तरह से विजय हासिल की उससे उसके फासीवादी हौसले बढ़ गए थे।

वह तमाम क्षेत्रीय पार्टियों को धड़ाधड़ तोड़ने में लगी थी क्योंकि जद(एकी) और तेदेपा का समर्थन परिसीमन विधेयक पारित करने के लिए पर्याप्त नहीं था लेकिन युवाओं के आंदोलन ने बेलगाम भाजपा और उसके नेतृत्व का इकबाल खत्म कर दिया है। 20 जुलाई के बाद सदन में न तो प्रधानमंत्री आए और न ही गृहमंत्री। अयोध्या के राम मंदिर में चंदा चोरी के आरोपों से घिरे संघ और भाजपा नैतिक आभा तो खो ही चुकी है लेकिन अब जरूरत है उसकी राजनीतिक शक्तियों को सीमित करने की। युवाओं के आंदोलन ने वह माहौल बनाया है। जरूरत है विपक्षी दलों के बीच एकता की और उनके संघर्षों को वोट और संसदीय शक्ति में बदलने की।

इस बीच युवा आंदोलन को भटकाने और प्रतिक्रांति करने के कई मौके भी आएंगे। भले ही झारखंड में युवाओं के आंदोलन के मुद्दे जायज हों लेकिन भाजपा उसका हिंसक तरीके से राजनीतिक इस्तेमाल करने में लगी है। भाजपा इस तरह के भटकाव अभी और पैदा करेगी लेकिन विपक्ष के पास इतने ताकतवर मुद्दे पहले कभी नहीं थे। न ही युवाओं के भीतर इस सरकार के प्रति इतना आक्रोश। भाजपा इस कला में माहिर है कि हर बहस और हर विचार को किस तरह से गोबर कर दिया जाए। वह इस बार भी झारखंड को ढाल बनाकर जंतर मंतर के आख्यान को खारिज करने में लगी है। लेकिन बात अब बहुत दूर जा चुकी है। इसलिए---

दस्तकों का अब किवाडों पर असर होगा जरूर
हर हथेली खूं से तर है और भी ज्यादा बेकरार

दिल्ली में अखिलेश, डिंपल की गिरफ्तारी पर यूपी में उबाल

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव व मैनपुरी की सांसद श्रीमती डिंपल यादव की 20 व 21 जुलाई को युवा आंदोलन के समर्थन में प्रदर्शन करने के दौरान दिल्ली में हुई गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही उत्तर प्रदेश में उबाल आ गया।

नौजवान, छात्र, किसान, व्यापारी, शिक्षक आदि सभी वर्ग के लोग सड़क पर आ गए और अपने प्रिय नेता की गिरफ्तारी पर भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने विरोध प्रदर्शन करने वालों से धक्कामुक्की व बल प्रयोग भी किया।

दिल्ली के जंतर मंतर पर कई दिनों से प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान जैसे ही पुलिस ने अत्याचार किया, समाजवादी पार्टी के सांसद भी युवाओं के समर्थन में सड़क पर उतर आए। मैनपुरी की सांसद श्रीमती श्रीमती डिंपल यादव के नेतृत्व में सड़क पर उतरे सांसदों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दूसरे दिन 21 जुलाई को प्रधानमंत्री आवास पर धरना देने के

दौरान श्री अखिलेश यादव की गिरफ्तारी कर ली गई। उन्हें बस से थाना ले जाया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव, श्रीमती डिंपल यादव समेत सभी सांसदों की गिरफ्तारी पर उत्तर प्रदेश में उबाल आ गया। जैसे ही यह खबर उत्तर प्रदेश में पहुंची, समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता पूरे प्रदेश में सड़क पर उतर गए।

प्रदेश के सभी जिलों, तहसीलों पर समाजवादी पार्टी के प्रदर्शन में आम जनता भी साथ आ गई और उसने श्री अखिलेश यादव की गिरफ्तारी पर गुस्से का इजहार किया। कई जिलों में पुलिस ने इन कार्यकर्ताओं पर भी जुल्म ढहाया। धक्कामुक्की की और कई जिलों में गिरफ्तारी भी हुई। समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता व आम जन प्रिय नेता की गिरफ्तारी पर आक्रोशित थे।

राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी के हजारों की संख्या में कार्यकर्ता सिविल हॉस्पिटल के पास एकत्र हुए। कार्यकर्ताओं ने झंडा-बैनर लेकर भाजपा सरकार के विरोध में नारेबाजी करते हुए हजरतगंज चौराहे तक मार्च किया। चौराहे पर पहुंचकर सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने धरना दिया। भाजपा की तानाशाही और अलोकतांत्रिक रवैये का विरोध किया।

प्रदर्शन के दौरान समाजवादी पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस ने धक्का-मुक्की की। पुलिस का रवैया अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक था। पुलिस ने समाजवादी पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं के साथ जोर-जबरदस्ती की और सभी को गिरफ्तार कर बसों में भरकर इको गार्डेन पार्क ले गई। इकोगार्डेन पार्क में सभी नेताओं-कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के विरोध में धरना दिया।

विरोध-प्रदर्शन में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक रविदास मेहरोत्रा, विधायक अरमान खान, समाजवादी पार्टी के लखनऊ जिलाध्यक्ष श्री जयसिंह जयंत, लखनऊ महानगर अध्यक्ष फाखिर सिद्दीकी, पार्षद दल के नेता कामरान बेग, ब्लाक प्रमुख ऊषा सेन, महिला सभा की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती जूही सिंह, पूर्व विधायक श्री अमरीश पुष्कर, सुश्री पूजा शुक्ला आदि प्रमुख रहे।

प्रदेश के सभी जिलों में इस तरह के प्रदर्शन हुए और कई घंटों तक कार्यकर्ताओं व पुलिस के बीच तीखी नोंकझोंक व झड़प होती रही। जिलों में भी पुलिस ने कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। समाजवादी पार्टी ने लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन करने वालों पर जुल्म ढ़हाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और भाजपा सरकार को जमकर घेरा।

सपा ने भाजपा सरकार को विधानमंडल सत्र में घेरा

बुलेटिन ब्यूरो

अयोध्या में हुई रामधन की लूट, पेपर लीक, किसानों की समस्या, खाद की किल्लत, विफल कानून व्यवस्था, महिलाओं की सुरक्षा, बढ़ती महंगाई, भ्रष्टाचार, 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण घोटाला, स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली, जैसे जनहित के मुद्दों को लेकर समाजवादी पार्टी ने विधानमंडल के मानसून सत्र में भाजपा सरकार को जमकर घेरा।

समाजवादी पार्टी के विधायकों ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के समक्ष सरकार के खिलाफ प्रदर्शन भी किया। सभी विधायकों ने राम मंदिर चंदा चोरी और शिक्षक भर्ती की गड़बड़ियों को लेकर हाथों में बैनर पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया और भाजपा सरकार विरोधी नारे लगाए। विधायकों ने कहा कि भाजपा सरकार तानाशाही पर उतारू है। भाजपा सरकार में हर जगह, भ्रष्टाचार और लूट कर रही है।

धरना-प्रदर्शन में नेता विरोधी दल विधानसभा श्री माता प्रसाद पाण्डेय, नेता विरोधी दल विधान परिषद श्री लाल बिहारी यादव सहित सभी सपा विधायक और विधानपरिषद सदस्य शामिल हुए।

सदन में समाजवादी पार्टी के सवालों पर भाजपा सरकार निरुत्तर रही और आनन फानन में विधायी कार्य निपटाकर मानसून सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया क्योंकि भाजपा सरकार के पास जनता के सवालों का कोई जवाब ही नहीं है और वह मुद्दों से ध्यान बंटाना-भटकाना चाहती है।

विधानपरिषद में विपक्ष के नेता लाल बिहारी यादव, किरण पाल कश्यप ने चढ़ावा चोरी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि दान की वस्तु सामग्री का हरन करना पाप होता है। मामले में सरकार और पुलिस की कार्यवाही लचररही है। सिर्फ छोटे लोगों के विरुद्ध कामचलाऊ कारवाई की गई है।

नेता विपक्ष लाल बिहारी यादव का कहना था कि केंद्र द्वारा गठित श्री राम जन्म भूमि मंदिर ट्रस्ट के 15 सदस्यों में 12 आरएसएस से

जुड़े हैं तीन यूपी सरकार के प्रतिनिधि हैं। सरकार द्वारा सशक्त निष्पक्ष जांच नहीं होने से लोगों में चोरी की वारदात के खिलाफ गुस्सा है।

विधानमंडल का सत्र शुरू होने से पहले 2 अगस्त को समाजवादी पार्टी विधानमंडल दल की बैठक राज्य मुख्यालय पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में विधानसभा और विधान परिषद के सदस्य शामिल हुए।

बैठक के बाद श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों-नौजवानों, छात्रों के साथ धोखा किया है। छात्रों, नौजवानों का भविष्य बर्बाद कर दिया है। किसानों को खाद-बीज नहीं मिल रहा है। खाद की बोरी से चोरी हो रही है। डीजल-पेट्रोल की बढ़ती महंगाई से खेती की लागत बढ़ गयी है। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने शिक्षा की गुणवत्ता बर्बाद कर दी है। शिक्षा विभाग की भर्तियों में भारी भ्रष्टाचार है। भाजपा छात्रों को नौकरी-आरक्षण नहीं दे रही है। एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं के निर्माण में भारी भ्रष्टाचार है। अयोध्या श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी हो गया। रामपुर के मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय को लेकर पहले दिन से भाजपा सरकार की नीयत ठीक नहीं थी। यह सरकार अपने कार्यकाल में खुद कोई विश्वविद्यालय नहीं बना पाई लेकिन जौहर विश्वविद्यालय पर हथौड़ा चलाना चाहती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के 10 साल में 26386 स्कूल बंद हो गए। प्राथमिक स्कूलों में छात्रों की संख्या घट गई है। प्रदेश में कुल 28 लाख छात्रों का नामांकन घटा है। उसमें से 25 लाख बच्चे पिछड़े और दलित समाज के हैं। इनमें 16 लाख बेटियां हैं।

इसी तरह सरकारी शिक्षकों की संख्या 62 हजार घट गई है। स्कूलों को बंद करके भाजपा सरकार नौकरी भी छीन रही है। भाजपा सरकार गरीबों को शिक्षा से दूर करने की साजिश कर रही है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि चार दिन की सरकार बची है इसीलिए उत्तर प्रदेश विधानसभा में सत्र भी चार दिन का ही हो रहा है। अब भाजपा को भी मालूम है कि वे फिर कभी सरकार में वापस नहीं आएंगे इसीलिए विधानसभा को महत्व नहीं दे रहे हैं, बस सत्र आयोजित करने की औपचारिकता निभा रहे हैं। अब भाजपा जाएगी, फिर कभी न आएगी।

अखिलेश ने युवाओं का हौसला बढ़ाया
मेधावियों को दिया लैपटॉप

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने युवाओं का हौसला बढ़ाने की समाजवादी परंपरा को बरकरार रखते हुए 15 अगस्त को पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में हाईस्कूल, इंटरमीडिएट के मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटॉप देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गौरतलब है कि श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी सरकार में लैपटाप बांटकर युवा पीढ़ी के लिए विकास के नए मार्ग प्रशस्त किए थे। तब से आज तक मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटाप देने की परंपरा जारी है।

समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव श्री सतेन्द्र कुमार मौर्य के सौजन्य से हाईस्कूल परीक्षा पीलीभीत के टॉपर छात्र-छात्राओं सर्वश्री प्रांजल मौर्य, सृष्टि कश्यप, वसी फातिमा, यश प्रजापति को बृजेश कुमार वर्मा टिल्लू भइया की ओर से हरदोई जनपद के हाईस्कूल की परीक्षा में ईशू पटेल तथा इंटरमीडिएट परीक्षा के टॉपर रेशू पटेल, यशस्वी कुशवाहा, छवि कुमारी को भी लैपटॉप दिए गए।

बिलग्राम हरदोई के जिला पंचायत सदस्य श्री धीरेन्द्र सिंह यादव के सौजन्य से सर्वश्री आर्यन कुमार, अंशिका यादव, मुस्कान

(गुड्डी देवी) शिवानी कुशवाहा, दिव्यांशी पाल, आयुषी पटेल को लैपटॉप दिए गए। श्री धनंजय यादव द्वारा जौनपुर के हाईस्कूल टॉपर वर्षा पटेल तथा इंटरमीडिएट टॉपर हिमांगिनी यादव, अल्का मिश्रा, अनुराधा विश्वकर्मा और लखनऊ की नारूबी कृष्णन को भी लैपटॉप देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री अल्का मिश्रा और हिमांगिनी यादव ने देश भक्ति के गीत प्रस्तुत किए।

प्रबुद्ध समाज का संकल्प
2027 में बनाएंगे अखिलेश सरकार

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी चिंतक श्रद्धेय जनेश्वर मिश्र जी की जयंती 5 अगस्त को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ समेत प्रदेश के सभी जिला कार्यालयों और अन्य प्रदेशों में जोश और उत्साह के साथ मनाई गई।

प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव रहे। जयंती पर प्रबुद्ध समाज ने 2027 में समाजवादी पार्टी के नेतृत्व में श्री अखिलेश यादव की सरकार बनाने का संकल्प लिया।

पूरे प्रदेश से हजारों की संख्या में आए प्रबुद्ध समाज के लोगों को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि श्रद्धेय जनेश्वर मिश्र जी की जयंती का यह ऐतिहासिक कार्यक्रम जनेश्वर मिश्र पार्क में होना था लेकिन सरकार के लोगों ने अनुमति नहीं दी इसलिए कार्यक्रम यहां कार्यालय में करना पड़ा। उन्होंने कहा कि आज हम लोग जनेश्वर मिश्र जी के मिशन को पूरा करने का संकल्प लेते हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी चिंतक, जनेश्वर मिश्र ने समाजवादी आन्दोलन को जीवन पर्यन्त आगे बढ़ाया। अपने जीवन में समाजवादी सिद्धांतों को अपनाया। जनेश्वर मिश्र जी ने सादगी के साथ अपने विचारों से सबको जोड़ने का काम किया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जबसे भाजपा के लोग लोकसभा चुनाव पीडीए से हारे हैं तबसे पीडीए की तरह-तरह की परिभाषा बनाते हैं लेकिन वे जान लें पीडीए में 'पी' पंडित का शार्ट फार्म है। भाजपा जितना पीड़ा देगी, पीड़ा बढ़ाएगी, पीडीए

उतना ही मजबूत होगा।

भाजपा सरकार ने लोगों को बहुत प्रताड़ित किया है। पीड़ा दी है। लोगों को बहुत सी घटनाएं पता हैं। कानपुर में गाड़ी पलटाई। बस्ती में एक साथी न्याय के लिए गया था, पुलिस के लोगों ने पीट-पीट कर मार दिया। इस सरकार में पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों के साथ तो अन्याय हो ही रहा था अब सरकार ब्राह्मणों के भी पीछे पड़ गई है। इसके कई उदाहरण हैं। सरकार को गोरखपुर का हाता नहीं भाता।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने पूज्य शंकराचार्य जी को अपमानित किया। कुंभ में त्रिवेणी में स्नान नहीं करने दिया। शंकराचार्य जी को स्नान करने से रोके जाने का दूसरा उदाहरण कहीं नहीं है। शंकराचार्य जी को धरना देना पड़ा। धरने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई।

इस सरकार ने बटुकों के साथ अपमान किया। शंकराचार्य जी को डराने के लिए उनपर पास्को एक्ट का झूठा मुकदमा लगाया लेकिन पूज्यनीय शंकराचार्य जी झुके नहीं। वह पूरे प्रदेश में गए। जगह-जगह उनका समाजवादियों ने स्वागत किया। समाजवादी लोग शंकराचार्य जी के साथ खड़े रहे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार से केवल ब्राह्मण समाज के ही नहीं हर समाज के लोग दुःखी हैं। भाजपा ने हर चीज पर संकट खड़ा कर दिया है। भाजपा दूसरों को बदनाम करने के लिए नकारात्मक राजनीति करती है। देश की नई पीढ़ी जेन Z ने इन्हें जवाब दिया है। भाजपा की नकारात्मक राजनीति के पाप का घड़ा भर गया है। युवाओं ने भाजपा को सबक सिखा दिया है। जब वोट पड़ेगा तो भाजपा का पता नहीं चलेगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी सबका सम्मान करती है। समाजवादी पार्टी को जब भी मौका मिला है सम्मान देने का काम किया है। आज भी लखनऊ में जनेश्वर मिश्र पार्क का कोई मुकाबला नहीं है।

भाजपा ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के नाम पर कोई काम नहीं किया। समाजवादी सरकार में बनाए गए लोकभवन में ही प्रतिमा लगाई गई। समाजवादी पार्टी की सरकार में भगवान के नाम पर बने इकाना अन्तर्राष्ट्रीय स्टेडियम को भाजपा ने अटल जी के नाम पर किया।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा के लोगों ने प्रभु श्रीराम के मंदिर में चढ़ावा चोरी करके सबसे बड़ा महापाप किया है। चढ़ावा चोरी में बड़े लोग शामिल हैं। मुख्यमंत्री जी बार-बार अयोध्या जाते थे, इसके बावजूद उन्हें चढ़ावा चोरी का पता नहीं लगा। गुप्त दान गायब हो गया, पता नहीं लगा। चढ़ावा चोरी

के खुलासे के बाद भाजपा के लोग चढ़ावे की रसीद मांग रहे हैं। सनातनी परम्पराओं में चढ़ावा और दान की रसीद नहीं होती है। जिन्होंने राम धन की चोरी की है उत्तर प्रदेश की जनता उन्हें विधानसभा चुनाव में हरा देगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में सभी का सम्मान होगा। भाजपा सरकार ने जिन महापुरूषों की छुट्यिों को समाप्त किया है उसे फिर से लागू करेंगे।

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि जनेश्वर मिश्र जी के बताए रास्ते पर चलना ही उन्हें असली श्रद्धांजलि है। उन्होंने पूरे जीवन समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री किरनमय नंदा ने कहा कि असली सनातनी समाजवादी लोग हैं। नेता विरोधी दल श्री माता प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि भाजपा सरकार में प्रबुद्ध वर्ग पर बड़े पैमाने पर अन्याय हो रहा है। प्रबुद्ध वर्ग को इस पर विचार करना होगा। इतना अन्याय कभी नहीं हुआ था। जनेश्वर मिश्र जी ने हमेशा अन्याय के खिलाफ संघर्ष किया था। भाजपा सरकार अन्याय की प्रतीक बन गई है। 2027 में इस अन्यायी सरकार को हटाकर श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना है।

कार्यक्रम के संयोजक, सांसद श्री सनातन पाण्डेय ने कहा कि पश्चिम से लेकर पूरब तक उत्तर से लेकर दक्षिण तक सभी लोगों ने 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का संकल्प ले लिया है। यहां मौजूद लोगों का उत्साह बता रहा है कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है। कार्यक्रम का संचालन पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रो अभिषेक मिश्रा एवं श्री मणेन्द्र मिश्रा ने किया।

जयंती समारोह में प्रबुद्ध समाज के लोगों ने श्री अखिलेश यादव को स्मृतिचिह्न भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री ब्रह्मा शंकर त्रिपाठी, पूर्व मंत्री श्री तेज नारायण पाण्डेय पवन, पूर्व विधायक संतोष पाण्डेय, पूर्व विधायक जयशंकर पाण्डेय, भगतराम मिश्रा, लखनऊ उत्तर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी सुश्री पूजा शुक्ला ने संबोधित किया।

जनेश्वर मिश्र पार्क में
छोटे लोहिया को श्रद्धांजलि

बुलेटिन ब्यूरो

छोटे लोहिया के नाम से मशहूर समाजवादी चिंतक श्रद्धेय जनेश्वर मिश्र जी की जयंती पर 5 अगस्त को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क पहुंचकर श्रद्धेय जनेश्वर मिश्र की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

जनेश्वर मिश्र पार्क में सर्वश्री श्रद्धेय जनेश्वर मिश्र के परिवार के सदस्य पुत्री मीना तिवारी, भाई तारकेश्वर मिश्र, चंद्रशेखर तिवारी, विश्वभूषण तिवारी, अमृता त्रिपाठी, सर्वानंद पाठक समेतबड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने भी श्रद्धेय जनेश्वर मिश्रा जी को नमन किया।

वीरांगना अवंती बाई लोधी को सपा देगी पूरा सम्मान

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 16 अगस्त को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में वीरांगना महारानी अवंती बाई लोधी की 196वीं जयंती पर आयोजित विशाल सम्मेलन में उनकी प्रतिमा पर श्रद्धाभाव से माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर नमन किया।

सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में लोधी समाज के नेता एवं कार्यकताओं के अलावा अन्य विशिष्ट लोग शामिल हुए। सम्मेलन का आयोजन समाजवादी पार्टी के नेता श्री यशवीर लोधी ने किया।

सम्मेलन में जनसमुदाय को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आजादी की लड़ाई में वीरांगना अवंती बाई लोधी ने वीरता और शौर्य के साथ अंग्रेजों का मुकाबला किया। स्वतंत्रता, आन्दोलन में महारानी लक्ष्मी बाई के साथ ही वीरांगना अवंती बाई लोधी को याद करते हैं। स्वतंत्रता संग्राम में अवंती बाई लोधी ने अपना सबकुछ न्योछावर कर दिया। उन्होंने आजादी की लड़ाई को मजबूत करने का काम किया था।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार में वीरांगना अवंती बाई लोधी का पूरा सम्मान होगा। वीरांगना अवंती बाई लोधी के जन्म दिन पर 16 अगस्त को छुट्टी घोषित की जाएगी। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के साथ ही 16 अगस्त को वीरांगना अवंती बाई लोधी को याद करने के लिए सरकारी छुट्टी की जाएगी।

सपा मुखिया ने कहा कि उनके सम्मान में सरकार की तरफ से उत्सव और कार्यक्रम कराया जाएगा। लखनऊ के सबसे महत्वपूर्ण स्थल गोमती रिवरफ्रंट पर वीरांगना अवंती बाई लोधी की प्रतिमा सोने की तलवार के साथ लगाकर सम्मान दिया जाएगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। समाजवादी पार्टी को एक-एक वोट जोड़ना है। लोकसभा चुनाव में हम पीडीए आन्दोलन को लेकर चले। लोधी समाज को जो सीट दी थी, उन्होंने उसे जीत कर दे दिया। बुन्देलखंड में हमारा खाता नहीं खुलता था। जिस सीट को

समाजवादी पार्टी जीतने की नहीं सोच सकती थी, वह सीट भी जीत गए। उन्होंने कहा कि 2027 में भाजपा का सफाया होना तय है। हमने तय किया है कि दलों से ज्यादा जनता पर भरोसा करना है। समाजवादी पार्टी का जो गठबंधन है उसे और मजबूत करेंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जो लोग रामराज लाने की बात करते थे उन्होंने अयोध्या में राम धन लूट लिया। प्रभु श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी कर लिया। चोरी में छोटे कर्मचारियों को पकड़ा गया। ये लोग अपनी बदनामी से बचने के लिए जातिवाद पर उतर आए। अयोध्या में चढ़ावा चोरी, जमीनों का घपला समेत क्या-क्या हुआ ये सभी ने देखा।

वीरांगना अवंती बाई लोधी की जयंती कार्यक्रम में सर्वश्री सांसद आरके चौधरी, पूर्व मंत्री अवधेश वर्मा एवं हेमराज वर्मा, विधायक मुकेश वर्मा एवं राहुल लोधी, पूर्व विधायक सुन्दर लाल लोधी, कप्तान सिंह, रोशन लाल वर्मा, उर्मिला राजपूत, आदि ने भी श्रद्धाभाव से नमन किया।

सामाजिक न्याय की प्रतीक थीं फूलन देवी

बुलेटिन ब्यूरो

अत्याचार और शोषण के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करने वाली सामाजिक न्याय की महान योद्धा, समाजवादी पार्टी की पूर्व सांसद वीरांगना फूलन देवी की पुण्यतिथि पर 25 जुलाई को समाजवादी पार्टी ने पूरे प्रदेश में कार्यक्रम आयोजित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का मानना है कि फूलन देवी निषाद, मल्लाह, बिंद, कश्यप, बाथम, मांझी समाज की अस्मिता और सामाजिक न्याय की प्रतीक थीं। फूलन देवी ने अन्याय, अत्याचार और शोषण के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की और सामाजिक न्याय की महान योद्धा बन गईं थीं। समाजवादी पार्टी ने फूलन देवी को सांसद बनाकर समाज के अति पिछड़े वर्ग के दबे, कुचले लोगों को हक और सम्मान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया था।

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में पूर्व लोकसभा सांसद, वीरांगना और सामाजिक न्याय की नेता फूलन देवी की पुण्यतिथि पर प्रदेश अध्यक्ष श्री श्याम लाल पाल ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया।

इस अवसर पर पूर्व सांसद अरविन्द कुमार सिंह, पूर्व एमएलसी श्री रामवृक्ष यादव, राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी शिक्षक सभा प्रो बी. पाण्डेय तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला सभा सीमा राजभर ने भी फूलन देवी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

समाजवादी पार्टी लखनऊ महानगर कार्यालय पर पूर्व सांसद वीरांगना फूलन देवी की पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष फाखिर सिद्दीकी एवं संचालन महानगर महासचिव गौरव सिंह यादव ने किया।

लखनऊ के सरोजनी नगर में भटगांव में समाजवादी मजदूर सभा लखनऊ के जिलाध्यक्ष ज्ञानेंद्र कुमार ज्ञानू के आयोजन में वीरांगना फूलन देवी की पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्याम किशोर यादव रहे।

जौहर विवि को बचाने में जुटे अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव रामपुर के मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय को सरकारी कार्रवाई से बचाने को डट गए हैं। उन्होंने जौहर विश्वविद्यालय को बचाने की छात्रों-अभिभावकों की मुहिम को पूरा समर्थन दिया है और समाजवादी पार्टी के विधायक दल को रामपुर भी भेजा।

उल्लेखनीय है कि जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों को अवैध बताकर स्थानीय प्रशासन ने इनपर बुलडोजर चलाने का निर्णय किया है जिसका भारी विरोध हो रहा है।

श्री अखिलेश यादव ने अपने वक्तव्य में छात्रों और अभिभावकों से कहा है कि जौहर विश्वविद्यालय को बचाने की युवाओं और उनके अभिभावकों की मुहिम में, हम सब पूरी तरह से साथ हैं। उन्होंने कहा कि बदले की भावना में जल रही भाजपा सरकार जौहर यूनिवर्सिटी को अपनी संकीर्ण राजनीति का शिकार बनाने की कोशिश न करे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इस दुर्भावनापूर्ण पक्षपाती फैसले के खिलाफ हमारे साथ हमारा छोटे-से-छोटा कार्यकर्ता, समर्थक, बड़े-से-बड़ा नेता और वो सब हजारों बच्चे व उनके मेहनतकश माता-पिता भी हैं जिनके सपने पर बुलडोजर चलाने की निकृष्ट कोशिश भाजपा सरकार कर रही है।

श्री यादव ने कहा कि हर विश्वविद्यालय शिक्षा का मंदिर होता है, हम 'शिक्षा के मंदिर' को बचाने के लिए देश भर से अपील करते हैं कि वे हमारे साथ आएं। विश्वविद्यालय में हर समाज के बच्चे पढ़ते हैं, क्या भाजपा अब हर समाज के युवाओं के विरुद्ध हो गई है।

उन्होंने कहा कि भाजपा का अहंकार ही ये सब गलत काम करा रहा है। अगर कहीं कुछ कागजी कमी है भी तो उसके कागज पूरे करके यूनिवर्सिटी को बचाया जाए और छात्रों के भविष्य को भी। यहां गरीबों के बच्चे पढ़ते हैं जिनके पास इतना पैसा नहीं होता कि वे भाजपाइयों की तरह अपने बच्चों को महंगे विश्वविद्यालय या विदेशों में पढ़ा सकें। जिनके न परिवार हैं न बच्चे, वे परिवार वालों का दर्द क्या जानें। अगर भाजपा के मन में बच्चों, युवाओं, उनके परिवार-परिजनों व समाज के लिए रत्ती भर भी सहानुभूति होती तो वे जुल्म और नाइंसाफी से भरी इस विध्वंसक कार्रवाई का तत्काल कोई विकल्प ढूंढ़ती।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सच तो ये है कि भाजपा शिक्षा के ही विरुद्ध है क्योंकि शिक्षित लोग जागरुक और प्रगतिशील होते हैं, वे अन्याय के खिलाफ आवाज भी उठाते हैं और सवाल भी, जो दकियानूसी सोच वाली दमनकारी भाजपा की सत्ता को जरा भी रास नहीं आता है। इसीलिए भाजपाई और उनके संगी-साथी, गांव-गांव में प्राथमिक विद्यालय तथा अन्य स्थानों पर विश्वविद्यालय तक बंद करवाने की भूमिगत योजना बनाते रहते हैं। भाजपाई जानते हैं

रामपुर पहुंचा सपा विधायकों का दल

डीएम को ज्ञापन सौंपा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता विरोधी दल श्री माता प्रसाद पांडेय के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने 23 जुलाई को रामपुर पहुंचकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा तथा मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के प्रस्तावित ध्वस्तीकरण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि शिक्षा के इस महत्वपूर्ण संस्थान को बचाना हजारों गरीब, पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक एवं वंचित विद्यार्थियों के भविष्य की रक्षा का प्रश्न है। समाजवादी पार्टी शिक्षा, संविधान और छात्रहित की रक्षा के लिए हर लोकतांत्रिक संघर्ष में सदैव अग्रणी रहेगी।

श्री माता प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय की इमारत पर बुलडोजर चलाना देश के शैक्षिक ढांचे और शिक्षा के अधिकार की संवैधानिक भावना के विपरीत है। भवन ध्वस्तीकरण का आदेश जनविरोधी कदम है।

प्रतिनिधिमंडल में सर्वश्री माता प्रसाद पाण्डेय नेता प्रतिपक्ष विधान सभा के साथ बड़ी संख्या में सपा के विधायक और पूर्व विधायक भी शामिल थे।

कि पढ़-लिखकर लोग नौकरी-रोजगार मांगेंगे, जो भाजपा सरकार देना ही नहीं चाहती है। नौकरी-भर्ती भाजपा के एजेंडे में है ही नहीं। जब हमारे प्राइमरी स्कूल बंद किए गए तो हमारे सजग शुभचिंतकों ने 'पीडीए पाठशाला' खोलकर, भाजपाई साजिश नाकाम कर दी थी इसीलिए अब उनके निशाने पर यूनिवर्सिटी आ गई है।

श्री यादव ने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी पर हो रहा ये हमला, हर समाज के विद्यार्थियों के विरुद्ध भाजपाई संगी-साथियों की एक बेहद घिनौनी साजिश है। उन अपंजीकृत लोगों के अपने सभी स्कूल-विद्यालय चल रहे हैं लेकिन दूसरों पर प्रतिशोध की भावना से एकतरफा कार्रवाई का षड़यंत्र रचा जा रहा है जो अति निंदनीय है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि देश मानता है, भाजपा आक्रांता है। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि विश्वविद्यालय तोड़ने वाले कभी अपने लोग नहीं रहे। यूपी की भाजपा सरकार नकारात्मकता का नया इतिहास लिख रही है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार छात्र, नौजवान और शिक्षा विरोधी है। भाजपा ने नौजवानों का भविष्य बर्बाद कर दिया। भाजपा के एजेंडे में शिक्षा, नौकरी और रोजगार नहीं है। श्री अखिलेश यादव ने जौहर यूनिवर्सिटी को बचाने की मुहिम में देश भर से अपील की कि वे हमारे साथ आएं।

उन्होंने कहा कि बदले की भावना से जल रही भाजपा सरकार जौहर यूनिवर्सिटी को अपनी संकीर्ण राजनीति का शिकार बनाने की कोशिश न करे।

समाजवादी सूरमाओं को अखिलेश की श्रद्धांजलि

नेक इंसान और बेहतरीन जन सेवक थे आलम बदी

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव 25 जुलाई को आजमगढ़
पहुंचे और निजामाबाद के विधायक स्वर्गीय आलम बदी साहब को श्रद्धांजलि दी और उनके परिजनों को ढांढस बंधाया।

उन्होंने परिवार के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि आलम बदी साहब बेहद नेक इंसान तो थे ही, बेहतरीन जन सेवक थे। आम लोगों की सेवा उनके ज़ेहन में थी।

बाद में मीडिया से बात करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आलम बदी साहब बहुत लोकप्रिय विधायक थे। आम आदमी का जीवन जीते थे।

पांच बार के विधायक रहे लेकिन उन पर कोई आरोप नही हैं। उनके अन्दर राजनीतिक सूझबूझ थी। समाज का भाव समझते थे और उन बातों को हम तक पहुंचाते थे जिससे फैसले लेने में आसानी होती थी।

श्री यादव ने कहा कि हम लोगों ने बहुत नेक इंसान को खो दिया। उनका जेहन आम लोगों की सेवा के लिए था। वे किसी से भेदभाव नहीं करते थे। जीवन भर आपसी प्रेम और सौहार्द बढ़ाने का काम किया। इस दुःख की घड़ी में पूरी पार्टी और हम सब परिवार के साथ हैं।

उल्लेखनीय है कि 23 जुलाई को बुजुर्ग विधायक आलम बदी साहब ने अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। 90 वर्ष की उम्र में भी वह आम जनता की सेवा के लिए समर्पित रहे।

श्री आलम बदी साहब की पहचान बेहद सादगी पसंद, ईमानदार और निष्ठावान नेता के रूप में थी। सादगी की वजह से वह काफी लोकप्रिय रहे। आलम बदी साहब आजमगढ़ की निजामाबाद सीट से समाजवादी पार्टी से पांच बार 1996, 2002, 2012, 2017 और 2022 में विधानसभा चुनाव जीते थे।

संघर्ष के पर्याय थे ओमकार यादव

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 30 जुलाई को बदायूं पहुंचकर पूर्व मंत्री श्री ओमकार सिंह यादव के निधन पर शोक प्रकट करते हुए श्रद्धांजलि दी। उन्होंने पूर्व मंत्री ओमकार सिंह यादव के परिवारीजनों से मिलकर शोक संवेदना प्रकट की।

इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि श्री ओमकार सिंह यादव ने संघर्ष कर राजनीति में अपना स्थान बनाया। समाजवादी सिद्धांतों को मजबूत किया। नेताजी का साथ दिया। हर व्यक्ति के दुःख दर्द में शामिल होते थे। कठिन परिस्थितियों में भी जनता ने उनका साथ दिया।

यहां पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि छात्र-नौजवानों की ताकत के सामने भाजपा की अहंकारी सरकार को झुकना पड़ा। प्रधानमंत्री को बचाने के लिए मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने इस्तीफा दिया। उनके इस्तीफे के बाद भाजपा सांसदों ने भी राहत की सांस ली।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि विपक्ष चाहता है कि सरकार दिल्ली में छात्रों-नौजवानों पर हुई बर्बरता पर संसद में बयान दे। छात्रों-नौजवानों पर लाठियां चलीं, पैलेट गन चला, कील लगी लाठियां मारी गयीं। छात्रों को पता है लाठियां कहां से चलीं लेकिन चलाने वालों को नहीं पता है कि किसके आदेश से लाठी और गोली चली। भाजपा सरकार ने छात्रों पर अत्याचार किया।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा के लोग अलोकतांत्रिक है। छात्रों पर लाठी, गोली चलाना, सिर फोड़ना, घायल करना और बेटियों के कपड़े फाड़ना बर्बरता है। भाजपा नकारात्मक राजनीति करती है। छात्रों-नौजवानों के प्रति भाजपा सरकार की नीयत साफ नहीं है।

उत्तर प्रदेश में जबसे भाजपा सरकार आई है, 20 से ज्यादा पेपर लीक हुए हैं। भाजपा सरकार ने शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया। इस सरकार ने उत्तर प्रदेश में 26 हजार से ज्यादा स्कूल बंद कर दिए। इन्होंने सिर्फ स्कूल ही बंद नहीं किए बल्कि भाजपा सरकार ने लाखों नौकरियां भी खत्म कर दीं। नौकरियां छीन लीं। भाजपा सरकार गरीबों को शिक्षा से दूर कर रही है।

स्वतंत्रता दिवस पर
संविधान की रक्षा का संकल्प

बुलेटिन ब्यूरो

स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों के पार्टी कार्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा शान से फहराया गया।

राज्य मुख्यालय में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा कि संविधान से ही स्वाधीनता है। आइए हम सब लिकर इस स्वतंत्रता दिवस पर संविधान की रक्षा का संकल्प लें। इसके लिए जो भी त्याग करना होगा, हम करेंगे।

बाद में श्री अखिलेश यादव ने प्रदेश मुख्यालय के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में उपस्थित जन समुदाय एवं मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज स्वतंत्रता दिवस के दिन हम लोग अपने संविधान को मजबूत करने का संकल्प लेते हैं। संविधान को मजबूत करने के लिए कोई भी त्याग करना पड़ेगा तो हम लोग उसके लिए तैयार रहेंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अब विधानसभा चुनाव में बहुत कम दिन बचे हैं। 2027 के शुरू होते ही प्रदेश में अलग तरह का माहौल होगा। समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराया है। अगर लोकसभा की सीटों को विधानसभा में कन्वर्ट कर दिया जाए तब भी हम लोगों ने भाजपा को हराया है। इसीलिए भाजपाई घबराए हुए हैं।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में समाजवादी पेंशन पुनः शुरू की जाएगी और माताओं बहनों को हर साल 40 हजार रुपये देने का काम होगा। उन्होंने कहा कि जो लोग डेढ़ हजार रुपए नहीं दे पाए, वे 50 हजार रुपए क्या देंगे? भाजपा की किसी बात पर भरोसा नहीं करना है।

श्री अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं से कहा कि एक दूसरे का सम्मान करें। मिलजुल कर कार्य करें। हम सामाजिक न्याय के राज की स्थापना और पीडीए की लड़ाई लड़ते रहेंगे। सबसे ज्यादा ध्यान ये रखना है कि कोई भी व्यक्ति ऐसा स्टेटमेंट न दे जिससे कि बीजेपी उसका फायदा उठाए। हम अपने समाजवादी साथियों को कई दिन से यही बात समझा रहे हैं कि ऐसा कोई ऊटपटांग बयान नहीं देना है जिससे कि पार्टी की छवि को कोई नुकसान पहुंचे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जब देश स्वतंत्रता दिवस मनाने की तैयारी कर रहा था तब भाजपा और उनके संगी-साथी अनरजिस्टर्ड, अंडरग्राउंड लोग विभाजन विभीषिका दिवस मना रहे थे। ये लोग इसलिए मना रहे थे क्योंकि उनके लिए विभाजन ही उत्सव है। उन लोगों ने आजादी की लड़ाई में योगदान दिया हो या न दिया हो लेकिन विभाजन में उनका योगदान रहा है। जिन्होंने तिरंगा का कभी सम्मान नहीं किया है, वह आज तिरंगा लेकर यात्रा निकाल रहे हैं। भाजपा और आजादी एक दूसरे के विलोम हैं।

संविधान मान स्तंभ स्थापना दिवस

संविधान बचेगा तभी आरक्षण बचेगा - अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय लखनऊ सहित सभी जिला कार्यालयों पर 26 जुलाई को आरक्षण दिवस को संविधान मान स्तंभ दिवस के रूप में मनाया गया। समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव शामिल हुए।

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज ही के दिन महात्मा ज्योतिबा फुले द्वारा संकल्पित 'आरक्षण' को कोल्हापुर के परम आदरणीय श्रीमंत महाराज राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज ने अपने कोल्हापुर राज्य में लागू किया था। इसी दिन 'आरक्षण देने का शुभारंभ' हुआ था। उन्होंने कहा कि 'सामाजिक न्याय' की भावना को आरक्षण के रूप में इसी दिन अमल में लाया गया था, जो आगे चलकर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के सद्प्रयासों से हमारे संविधान

में एक जनाधिकार के रूप में सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करने का मूल आधार बना और देश के लोकतंत्र की स्थापना का मूल सिद्धांत भी।

उन्होंने कहा कि विचार को सही में लागू करना ही सबसे बड़ा और प्रभावशाली उदाहरण होता है, जो परम आदरणीय श्रीमंत महाराज राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज जी ने इस दिन लागू करके दिखलाया था।

श्री यादव ने कहा कि इसके पीछे मूल भावना यही है कि 'संविधान-मानस्तंभ' वस्तुतः 'पीडीए-प्रकाशस्तंभ' के रूप में हमारे 'सामाजिक न्याय के राज' की स्थापना के संकल्प का मार्ग सदैव प्रकाशित और प्रशस्त करता रहे। जब संविधान बचेगा तभी आरक्षण बचेगा।

प्रदेश मुख्यालय के साथ ही लखनऊ महानगर कार्यालय कैसरबाग में "आरक्षण दिवस" "संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस" के रूप में बनाया गया। मुख्य अतिथि प्रो. रमेश दीक्षित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता लखनऊ महानगर अध्यक्ष फाखिर सिद्दीकी एवं संचालन महानगर महासचिव गौरव सिंह यादव ने किया।

साफ़ और बेबाक X

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India | President @samajwadiparty | Member of Parliament, Kannauj | Former Chief Minister, Uttar Pradesh

Lucknow, India · samajwadiparty.in · Joined July 2009

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

मेरठ मे किसान नेतृत्व के नाम पर 'पीडीए' पर प्रहार किया गया है। जिस प्रकार चुन-चुनकर दलित और गुर्जर समाज को निशाना बनाया गया है, उससे पता चलता है कि भाजपा में इन समाजों के प्रति कितना अधिक विद्वेष भरा हुआ है। भाजपा समझ गई है कि अब न तो दलित समाज उनके साथ है और न ही गुर्जर व पीडीए के अन्य समाज, इसीलिए उन्हें डरा-धमकाकर अपनी तरफ़ लाने की कोशिश की जा रही है।

पीडीए एकजुट है और रहेगा!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

एकरंगी क्या जानें, पीडीए के बहुरंग!

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 3d

अब शिखर पर है पीडीए!

सभी समर्पित पर्वतारोहियों को इस सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ... आप सबके प्रयास से पीडीए यूँ ही नई ऊँचाइयों की ओर सदैव अग्रसर रहेगा। ये संकल्प भी है और वचन भी।

#माउंट_यूनम

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

खिलाड़ियों का सम्मान मतलब स्वस्थ, सक्रिय, अनुशासित हिंदुस्तान।

हम आएंगे और फिर से World Class Sports Infrastructure बनाएंगे और ओलंपिक व अन्य बड़ी प्रतियोगिताओं में पदक के लक्ष्य को International Level की Training के माध्यम से प्राप्त करने में खिलाड़ियों को हर संभव सुविधा प्रदान करेंगे।

हम अभी से उन सभी खिलाड़ियों, कलाकारों, चित्रकारों, समाजसेवियों, शिक्षाविदों, प्रोफ़ेशनल्स और अन्य क्षेत्रों की प्रतिभाओं की सूची बना रहे हैं, जिन्हें हम भविष्य में 'यश भारती' एवार्ड और 1 लाख रुपये प्रतिमाह की सम्मान राशि देंगे।

इसके अतिरिक्त हम जिन्हें अपने पिछले कार्यकाल में 'यश भारती' दे चुके हैं, उनकी भी सम्मान-राशि बढ़ाकर 1 लाख रुपये प्रतिमाह घोषित करके सम्मान-राशि की पुनर्बहाली करेंगे।

Akhilesh Yadav @yadav... · 07 Aug

उप्र के मुख्यमंत्री जी ने नया विश्व रिकॉर्ड बनाया
7000 करोड़ का कॉस्मेटिक फेशियल करवाया

उप्र के मुख्यमंत्री जी ने जिस प्रकार जनता की गाढ़ी कमाई के टैक्स की लगभग 7000 करोड़ की महाराशि को अपनी झूठी छवि को सच्ची बताने-दिखाने पर ख़र्च किया है; वो ग़रीबी-बेकारी, बेरोज़गारी, मंदी, एमएसपी और बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी ज़रूरतों के लिए जूझ रहे देश के सबसे बड़े प्रदेश के लिए बेहद अवांछनीय और अति-निंदनीय है।

हम इतनी ही राशि में 'KG से PG & RESEARCH' तक की World Class 2-3 University बनाकर बच्चों-युवाओं का भविष्य सुधारकर दिखाएंगे, **'उप्र को तरक़्क़ी और ख़ुशहाली के रास्ते पर ले जाएंगे, हम NEO INDIA बनाएंगे!'**

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 5d

हवा का रुख़ बदला तो रूठने लगीं...
अब तो 'शाखा' से टहनियाँ टूटने लगीं

अब आपस की बात है हम क्या बोलें...

खनऊ | शुक्रवार, 14 अगस्त 2026

राज्यपाल की टिप्पणी से आहत वीसी का इस्तीफा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा स्वीकार करते हुए कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह को मुक्त विवि के कुलपति पद की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंप दी है।

प्रो. सत्यकाम

चर्चा है कि 17 जुलाई 2026 को विश्वविद्यालय में हुए दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति ने व्यवस्थाओं पर मंच से तीखी टिप्पणियां कर नाराजगी जताई थी। राज्यपाल ने कहा था कि वह प्रो. सत्यकाम को राजभवन बुलाकर अव्यवस्थाओं पर बात करेंगी। अब माना जा रहा है कि राज्यपाल की टिप्पणी से आहत होकर ही प्रो. सत्यकाम ने इस्तीफा दिया है। प्रो. सत्यकाम [illegible] जन

Akhilesh Yadav @yadava... · 11 Aug

क्या किसान को '1 रुपये किलो' आलू की क़ीमत देने से बनेगी '1 ट्रिलियन' डॉलर की इकोनॉमी।

ये है 'डील की ढील' का परिणाम
हैरान-परेशान है देश का किसान

वाह रे मुख्यमंत्री जी!

Following

Akhilesh Yadav @yadav... · 07 Aug

सुरंगजीवियों के सूचनार्थ!

भाजपा और उनके भूमिगत लोगों का ठिकाना सड़क के नीचे निकला क्योंकि जनता अब इन महा-भ्रष्टाचारियों को सड़क पर लेकर आने के लिए कमर कसकर बैठी है।

मुख्यमंत्री जी जब सुध में हों तो सुध लें।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

बता रहे हैं या 'आत्म कथा-व्यथा' सुना रहे हैं?

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Translated from Marathi Show original

Shri Kedureshwar Mahadev Temple, Etawah!

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

जिसे एक ख़्वाब की तरह बारीक़ी से तराशा था हमने, ये उन कोशिशों से सजी नये ज़माने की 'शाम-ए-अवध' है।

ये अपना 'मरकज़-ए-सूबा' लखनऊ है!

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

जापान के राजदूत जी के साथ लखनऊ में एक शिष्टाचार मुलाक़ात।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

टकराहट तो थी 'एक-दूसरे' को हटाने की
अब तो बात उठ गई 'दोनों' के ही जाने की

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

सलेमपुर से समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक श्री सुरेश यादव जी का निधन, अत्यंत दुःखद !

ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे।

शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं।

भावभीनी श्रद्धांजलि !

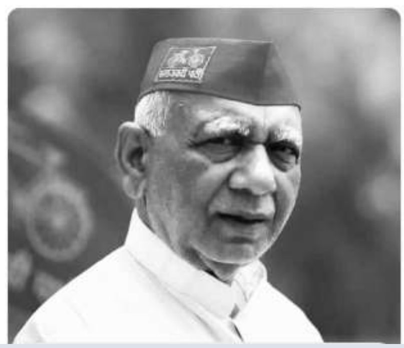

Akhilesh Yadav @yadav... · 05 Aug

बलिया की रसड़ा विधानसभा से बसपा के विधायक श्री उमाशंकर सिंह जी का निधन, अत्यंत दुखद !

ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे।

शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं।

भावभीनी श्रद्धांजलि !

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2024-2026 कुल पृष्ठ : 52 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

युवाओं के आंदोलन का एक बड़ा सबक बड़े मीडियावालों के लिए भी है: Mainstream Media को Main Street Media बनना होगा।

इस आंदोलन ने बड़े-बड़ों की position ROTATE कर दी है, मीडिया भी इसका अपवाद नहीं है। आज संकट सिर्फ़ 'राष्ट्रीय सरकार' के लिए ही नहीं, तथाकथित 'राष्ट्रीय मीडिया' के लिए भी बराबर का ही है। **जवाबदेही का सवाल केवल किसी एक के लिए नहीं है।**

जब कोई 'वोकल फॉर लोकल' का नारा दे रहा था, तो नेशनल मीडिया के लोग समझ ही नहीं पाए कि वे जिस बात का प्रचार कर रहे हैं, वह केवल किसी प्रोडक्ट तक सीमित नहीं रहेगी। अगर राष्ट्रीय मीडिया अपनी चकाचौंध और पैकेजिंग में न्यूज़ को प्रोडक्ट बनाकर पेश करेगा, तो फिर आम लोग भी लोकल और स्थानीय चैनलों पर ज़्यादा भरोसा करेंगे, क्योंकि वे उनकी पहुँच में हैं और उनमें उन्हें अपनी भाषा-बोली का अपनापन भी दिखता है, साथ ही उन स्थानीय पत्रकारों के दिनभर के दौड़ते-भागते रहने के संघर्ष में सच्चाई भी दिखती है।

जनहित के लिए समर्पित **'आकार में छोटे लेकिन विचार में बड़े'**, ये सभी सच्चे न्यूज़ व व्यूज़ चैनल्स या यूट्यूबर जर्नलिस्ट-पैनलिस्ट केवल दिखावटी औपचारिकता पूरी नहीं करते हैं, बल्कि जनमानस के बीच की बातें करते हैं। ये ऊपरी-ऊपरी औपचारिक कॉस्मेटिक जर्नलिज्म नहीं करते हैं; बल्कि जनता के मसलों, मुद्दों और जन सरोकार से जुड़े सच्चे विषय उठाते हैं। ये सरकार के सहयोग से कॉरपोरेट मीडिया की तरह चमचमाते नहीं हैं बल्कि जनता के ऐतबार से चलते हैं। ये एक हाथ से माइक या मोबाइल पकड़ते हैं और दूसरे से अपने गमछे से पसीना पोंछते हैं। **ज़मीन से जुड़ी यह 'माटी पत्रकारिता' या कहें 'Grounded Journalism' ही सच्चे जर्नलिज़्म का भविष्य है।**

अब जनता 'नाटकीय निरर्थक विवाद' नहीं, 'वास्तविक सार्थक संवाद' देखना चाहती है।

अब **'जिसका दाना, उसका गाना'** वाला चारण युग अपने अंतिम पड़ाव में है।

साभार: X@yadavakhilesh